



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 48] नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 22, 2017/फाल्गुन 2, 1938
No. 48] NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 22, 2017/PHALGUNA 2, 1938

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2017

अंतिम जांच परिणाम

विषय: थाइलैंड मूल के अथवा वहां से निर्यातित "फ्लैक्सीबल स्लैब स्टॉक पोलयोल" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

- सं. 14/34/2015-डीजीएडी.— 1. यतः समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली अथवा नियमावली कहा गया है), के अनुसार मैसर्स मनाली पैट्रोकेमिकल्स लि. (जिसे एतदपश्चात याचिकादाता या आवेदक भी कहा गया है) से निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को नियमावली के तहत थाइलैंड (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "फ्लैक्सीबल स्लैब स्टॉक पोलयोल" (जिसे एतदपश्चात एफएसपी अथवा संबद्ध वस्तुएं कहा गया है) के पाटन के बारे में एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है।
2. जबकि प्राधिकारी ने नियमावली के उप नियम 6(1) के अनुसार थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के बारे में पाटनरोधी जांच की शुरूआत करते हुए घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक के द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रमाण के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित 24 फरवरी, 2016 के सार्वजनिक नोटिस को जारी किया ताकि कथित पाटन के विद्यमान होने, उसकी मात्रा और प्रभाव का पता लगाया जा सके और पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश के बारे में विचार किया जा सके।
- क. प्रक्रिया
3. इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है:
- प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरूआत करने के बारे में कार्रवाई करने से पूर्व संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में उसके दूतावास के माध्यम से संबद्ध देश को अधिसूचित किया।

- ii. प्राधिकारी ने थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरूआत करने के बारे में भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित 24 फरवरी, 2016 के एक सार्वजनिक नोटिस को जारी किया।
- iii. प्राधिकारी ने समस्त ज्ञात निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को (जिनके ब्यौरे घरेलू उद्योग और उद्योग संघों के द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को सार्वजनिक नोटिस की एक प्रति अग्रेषित की और यह अवसर दिया कि वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार लिखित में अपने मत दें।
- iv. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात निर्यातकों को आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतरण की एक प्रति दी। आवेदन पत्र की एक प्रति अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उनके अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गई थी।
- v. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्रासंगिक सूचना प्राप्त करने के लिए थाइलैंड के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों के लिए प्रश्नावलियां भेजी थीं:
 - क. मैसर्स आईआरपीसी पब्लिक कंपनी लिमिटेड पैट्रोकेमिकल बिजनेस
 - ख. मैसर्स डॉव केमिकल थाइलैंड
- vi. निम्नलिखित के द्वारा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर दायर किए गए थे:
 - क. मैसर्स आईआरसीपीसी पोलयोल कंपनी लिमिटेड थाइलैंड
 - ख. मैसर्स आईआरसीपीसी – पीसीसी पोलयोल कंपनी लिमिटेड थाइलैंड
 - ग. मैसर्स डॉव केमिकल थाइलैंड
- vii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना के लिए अनुरोध करने हेतु भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा प्रयोक्ता संघ को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:
 - क. मैसर्स शीला फोम पी. लि.
 - ख. मैसर्स प्राइम कम्पफ्ट्स
 - ग. मैसर्स एम एच पॉलीमर्स पी. लि.
 - घ. मैसर्स सोमेनी फोम लि.
 - ड. मैसर्स तिरूपति फोम लि.
 - च. मैसर्स दूरा पफ
 - छ. मैसर्स श्री सिंधल फोम्स पी. लि.
 - ज. मैसर्स मुतियन फोम्स पी. लि.
 - झ. मैसर्स मलानी फोम्स पी. लि.
 - ज. मैसर्स जॉय फोम प्रा. लि.
 - ट. इंडियन पॉलीयूरथेन एसोसिएशन
- viii. निम्नलिखित आयातकों के द्वारा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर दायर किए गए थे:
 - क. मैसर्स शीला फोम पी. लि.
 - ख. मैसर्स डॉव केमिकल इंटरनेशनल प्रा. लिमिटेड
- ix. यह भी नोट किया है कि निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने भी जांच की अवधि के दौरान निवेदन दायर किए हैं:
 - क. इंडियन पॉलीयूरथेन एसोसिएशन
 - ख. एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया,

- ग. एलाइड फोम्स प्राइवेट लिमिटेड,
- x. यह नोट किया है कि उल्लिखित हितबद्ध पक्षकारों ने अपने-अपने विधिक निवेदन दायर किए थे। तथापि, उन्होंने आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किए हैं।
- xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा प्रस्तुत किए प्रमाण के अगोपनीय रूपांतरण हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुली रखी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराए थे।
- xii. जांच की अवधि तथा पूर्ववर्ती 3 वर्षों के संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय और डीजी सिस्टम्स से अनुरोध किया गया था।
- xiii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना को गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्टि होने पर प्राधिकारी ने जहां कहीं न्याय संगत समझा, वहां पर गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के लिए प्रकट नहीं की गई है। जहां संभव है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कर रहे पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध करने के लिए निर्देश दिया गया था।
- xiv. उत्पादन की लागत पर आधारित क्षतिरहित मूल्य तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुवंध-III। एवं सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने एवं बेचने की लागत निकाली गई है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xv. याचिकाकर्ता के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के बारे में प्राधिकारी के द्वारा स्थल पर जांच कराई गई थी। इस प्रकटन कथन के प्रयोजनों के लिए केवल ऐसी सत्यापित सूचना पर ही भरोसा किया जाता है। प्राधिकारी ने मैसर्स आईआरसीपीसी पोलयोल कं. लि. और मैसर्स आईआरसीपीसी – पीसीसी पोलयोल कं. लि. नामक थाइलैंड के उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की व्यवस्थित सूची जांच की थी।
- xvi. मैसर्स डॉव केमिकल थाइलैंड के द्वारा प्रस्तुत किए गए निर्यातक की प्रश्नावली प्रत्युत्तर की प्रासंगिक परिशिष्ट भारत को उसके निर्यातकों के *** मी. टन के लिए भेजे गए। तथापि, इस सूचना में डॉव केमिकल सिंगापुर के माध्यम से कुछेक लेन-देनों के बारे में कुछ भी स्पष्ट तौर पर उल्लेख नहीं किया था। इसके अलावा, प्रत्यक्ष निर्यातों का ब्यौरा अथवा संबद्ध कंपनियों के माध्यम से भेजे गए निर्यातों का ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया गया है। हालांकि प्राधिकारी ने यह देखा कि डीजी सिस्टम से प्राप्त हुए आयात संबंधी आंकड़े डॉव केमिकल सिंगापुर के माध्यम से डॉव केमिकल थाइलैंड के द्वारा और डॉव कार्निंग सिंगापुर के माध्यम से भी निर्यातों को दर्शाता है। कंपनियों के द्वारा सिंगापुर से किए गए निर्यातों के संबंध में पूरी सूचना/प्रत्युत्तर के बारे में सूचना प्राप्त करते हुए दिनांक 15.06.2016 का कमी पत्र डॉव केमिकल थाइलैंड के लिए जारी किया गया था।
- xvii. दिनांक 29.06.2016 के अपने उत्तर में डॉव केमिकल थाइलैंड ने अन्य बातों के साथ-साथ यह बताया कि डॉव केमिकल पेसिफिक (सिंगापुर) प्रा. लि. केवल डॉव थाइलैंड की एक बीजक कंपनी है। ग्राहकों के लिए केवल बीजक डॉव सिंगापुर के मार्ग से प्राप्त होते थे, जबकि वस्तुओं के वास्तविक भौतिक निर्यात डॉव, थाइलैंड के द्वारा थाइलैंड से किए गए थे। तथापि, सिंगापुर के माध्यम से किए गए निर्यातों की मात्राओं और ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए थे। साथ ही, विभिन्न चैनलों के माध्यम से निर्यातों के ब्यौरों के बारे में बताया गया था।
- xviii. यह देखा गया है कि डीजी सिस्टमों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना यह दर्शाती है कि डॉव केमिकल थाइलैंड डॉव केमिकल सिंगापुर ने अन्य देशों से भारत के लिए भी संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया था।
- xix. अधिक अनुरोधों के अनुसरण में डॉव केमिकल थाइलैंड ने दिनांक 28.12.2016 के पत्र के द्वारा भारत को उनके निर्यातों के *** मी. टन के बीजकों की प्रतियां उपलब्ध कराई थीं। इन बीजकों में डॉव सिंगापुर के माध्यम से भेजे गए निर्यातों के बीजक भी शामिल थे। तथापि, विभिन्न चैनलों के माध्यम से निर्यातों के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए थे।
- xx. चूंकि डॉव केमिकल सिंगापुर, डॉव केमिकल थाइलैंड की एक संबद्ध कंपनी है और डीजी सिस्टम के आयात आंकड़ों से प्राधिकारी के निष्कर्ष को ध्यान में रखते हुए डॉव सिंगापुर ने अन्य देशों के मूल की संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भी किया था, निर्यातक को दिनांक 03.01.2017 के ई-मेल के द्वारा दोबारा याद दिलाया था कि डीजीएडी से दिनांक 15.06.2016 के एक विशिष्ट ई-मेल के बावजूद डॉव केमिकल सिंगापुर से निर्यातक की प्रश्नावली के प्रत्युत्तर प्राधिकारी के पास दायर नहीं किए गए हैं। डॉव केमिकल के 06.01.2017 के उत्तर में दोबारा से न तो डॉव केमिकल, सिंगापुर से प्रत्युत्तर मिला और न ही विभिन्न चैनलों के माध्यम से निर्यातों के ब्यौरा उपलब्ध कराया था। अतः

प्राधिकारी ने मै. डॉव केमिकल थाइलैंड के द्वारा दायर की गई अपूर्ण सूचना की जांच करने के लिए इसे जरूरी नहीं समझा था। इसके अलावा, वे प्राधिकारी के विशिष्ट अनुदेशों का पालन करने में भी असमर्थ हुए हैं।

- xxi. यह भी नोट किया है कि प्राधिकारी ने डॉव केमिकल को उनके दावे को साबित करने के लिए उनके विशिष्ट अनुरोध पर दिनांक 10.02.2017 को एक और अवसर दिया था। तथापि, डॉव केमिकल ने उनके पहले निवेदनों में कुछ भी नहीं बढ़ाया था।
- xxii. पूर्वोक्त बैठक के बाद में, कंपनी ने अन्य बातों के साथ-साथ यह दोहराते हुए 12.02.2017 को फिर एक और ई-मेल भेजा है कि डॉव सिंगापुर, डॉव थाइलैंड की केवल बीजक कंपनी है। यह भी बताया जाता है कि भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने के लिए डॉव सिंगापुर के द्वारा तैयार किए बीजकों में जो सूचना शामिल थी, लेकिन उन तक सीमित नहीं है, वह सूचना माननीय प्राधिकारी के पास भी उपलब्ध है जिसकी विधिवत जांच की जा सकती है। यह इस बात को सूचित करती है कि डॉव थाइलैंड के द्वारा दायर किया गया प्रत्युत्तर भारत के लिए निर्यातों की पूरी शृंखला उपलब्ध कराती है और उस प्रक्रिया के अनुरूप है जिसकी जांच करने में माननीय प्राधिकारी के द्वारा पालन किया जाता है। इस संबंध में यह निवेदन है कि निर्यात के अलग-अलग चैनलों के लिए मात्रात्मक निर्यातों और उनकी कीमत आदि के संबंध में कोई व्यौरा कंपनी के द्वारा प्रस्तुत किए गए रिकार्डों में उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा, डॉव केमिकल, सिंगापुर की एक अलग विधिक कंपनी है जिसकी स्वयं अपनी बहियां और लेखे हैं। इसके अतिरिक्त, डॉव केमिकल्स, सिंगापुर डॉव केमिकल्स, थाइलैंड की इकाई से संबंधित है। वर्तमान जांच में डॉव केमिकल लि., सिंगापुर खरीद कीमत एसजीए तथा संबद्ध कंपनी द्वारा किए गए अन्य व्यय से संबंधित आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने और भाग लेने में विफल रही है जो कि निवल फैक्ट्री से बाहर निर्यात कीमत की गणना करने के लिए आवश्यक है। चूंकि पूर्ण व्यौरों का रिकार्ड नहीं था, इसलिए प्राधिकारी डॉव केमिकल्स, थाइलैंड के लिए फैक्ट्री से बाहर निर्यात मूल्य एवं पहुँच मूल्य का निर्धारण करने में असमर्थ है।
- xxiii. 1 अक्टूबर, 2014 से 30 सितंबर, 2015 तक की अवधि (पीओआई) की जांच की गई थी। अति विश्वेषण के संदर्भ में जांच की अवधियों में अप्रैल, 2012 – मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 - मार्च, 2014, अप्रैल, 2014 – मार्च, 2015 और पीओआई की अवधि शामिल है।
- xxiv. इस जांच में अनिवार्य तथ्यों वाला एक प्रकटन विवरण 13.02.2017 को हितबद्ध पक्षकारों के लिए जारी किया गया था। इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में प्राप्त हुए प्रकटन के बाद विवरण के निवेदनों पर प्रासंगिक पाई गई सीमा तक विचार किया गया है।
- xxv. प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक समझी गई सीमा तक हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों को इस प्रकटन विवरण में लिखा गया है।
- xxvi. इस प्रकटन विवरण में *** गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और नियमावली के तहत प्राधिकारी के द्वारा इस प्रकार विचार किया है।
- xxvii. पीओआई के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 64.11 रुपए है।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुएं

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदन

4. किसी भी निर्यातक, आयातकों अथवा उपभोक्ताओं ने विचाराधीन उत्पाद के बारे में कोई मत नहीं दिया है।

घरेलू उद्योग के मत

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "फ्लैक्सीबल स्लैब स्टॉक पोलयोल", पॉलीमर है। संबद्ध उत्पाद ट्रोयल चैन स्टार्टर वाले प्रोपलीन ऑक्साइड और एथिलीन ऑक्साइड के पोलीमराइजेशन से निर्मित मोलकुलर भार 3000-4000 के स्पष्ट चिपचिपा तरल पदार्थ है।
6. यह अपहोल्टरी (कमरे का साज-समान), गद्दों तकियों, गद्दियों, ट्रांसपोर्ट सीट बनाने और पैकेजिंग में प्रयुक्त पोलीयूर्थीन फोम्स में कैटेलिस्ट्स और योजकों वाली एक पॉलीइथर है।
7. फ्लैक्सीबल स्लैब स्टॉक पोलयोल सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वर्गीकरण के अनुसार 3907.20 के तहत भी "प्लास्टिक और उसकी वस्तुओं" श्रेणी के तहत वर्गीकृत है। तथापि, वर्गीकरण केवल निर्देशात्मक है और वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

8. घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित और थाइलैंड से आयात की गई संबद्ध वस्तुओं के बीच ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं और थाइलैंड से आयात की गई संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रासायनिक विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी कार्य और उपयोग, उत्पाद वर्गीकरण, वितरण और बाजार तथा वस्तुओं का टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

9. विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के बारे में वर्तमान जांच की अवधि के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा कोई निवेदन नहीं किया है। घरेलू उद्योग के द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना और रिकार्ड में रखी सामग्री की जांच के आधार पर प्राधिकारी "मोलकुलर भार 3000-4000 के फ्लैक्सीबल स्लैब स्टॉक पोलयोल" के रूप में विचाराधीन उत्पाद की पुष्टि करते हैं।
10. समान वस्तुओं के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार प्रावधान है:

"ऐसी वस्तु जो भारत में पाटित किये जाने के लिए जांचाधीन वस्तु से हर तरीके से समनरूप अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है तथापि, उसमें जांचाधीन वस्तुओं से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हैं।"

11. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग के द्वारा उत्पादित और थाइलैंड से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग के द्वारा उत्पादित और थाइलैंड से आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताएं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी कार्य और उपयोग, उत्पाद वर्गीकरण, वितरण और बाजार तथा वस्तुओं का टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय हैं। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक दृष्टि से प्रतिस्थापन करने योग्य हैं। घरेलू उद्योग के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के कार्यक्षेत्र और अर्थ के भीतर थाइलैंड से आयात किए गए विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तुएं हैं।

ग. घरेलू उद्योग और स्थिति

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदन

12. किसी भी निर्यातक, आयातक, एसोसिएशन अथवा उपभोक्ता ने घरेलू उद्योग की स्थिति अथवा उनकी पात्रता के बारे में कोई मत नहीं दिया है।

घरेलू उद्योग के मत

13. घरेलू उद्योग ने यह प्रस्तुत किया है कि उनके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं के कुल उत्पाद के लगभग 95% उत्पादन की जांच की अवधि के दौरान और लेखे में डालने के लिए वे संबद्ध का वाणिज्यिक तौर पर उत्पादन करने वाले ही उत्पादक हैं। यह भी आगे प्रस्तुत किया जाता है कि घरेलू उद्योग के अलावा संबद्ध वस्तुओं का एक और उत्पादक नामतः मैसर्स एक्सपेंडिड पॉलीमर्स लि. है, जो संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन कर रहा है। इसको महेनजर रखते हुए, मै. मनाली पैट्रोकेमिकल्स ने नियमावली 2(घ) के अनुसार कुल घरेलू उत्पादन एक वृहद भाग के बारे में तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार स्पष्ट स्थिति के बारे में विवरण दिया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

14. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया जाता है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से हैं जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

15. मैसर्स मनाली पैट्रोकेमिकल्स लि. के द्वारा आवेदन दायर किया गया है। प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार याचिकाकर्ता जांच की अवधि के दौरान कुछ घरेलू उत्पादन में विचाराधीन उत्पाद के वृहद भाग के बारे में विवरण देता है और इसलिए घरेलू उद्योग नियमावली के अर्थ भीतर स्थिति के मानदंड को पूरा करता है। याचिकाकर्ता ने यह प्रमाणित किया है कि याचिकाकर्ता के द्वारा अथवा उसकी किसी भी पार्टी (पक्षकार) के द्वारा नियम 2(घ) के अर्थ में पीओआई के दौरान विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं है। याचिकाकर्ता ने यह भी प्रमाणित किया है कि यह नियमावली के अनुसार थाइलैंड के किसी भी निर्यातक से संबंधित नहीं है।

16. यह भी नोट किया जाता है कि अन्य उत्पादक नामतः मैसर्स एक्सपेंडिड पॉलीमर्स लि. ने फीओआई के दौरान संबद्ध वस्तुओं की नकारात्मक मात्रा में विनिर्माण किया था जो देश में कुल उत्पादन का एक छोटा-सा प्रतिशत बनता है। यह स्पष्ट है कि आवेदक की स्थिति प्रभावित नहीं होगी क्योंकि वे कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनेंगे। अतः आवेदक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार "घरेलू उद्योग" और नियम 5 के अनुसार स्थिति के रूप में समझे जाने की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

घ. गोपनीयता

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदन

17. गोपनीयता के बारे में वर्तमान जांच की अवधि के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए विभिन्न निवेदनों और प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक माने गए निवेदनों की जांच की जाती है तथा निम्नानुसार लिखा जाता है:
- याचिका में अत्यधिक गोपनीयता होती है। याचिका में सूचना से संबंधित याचिकाकर्ता की प्रबलता के संबंध में पूर्णतः कोई सूचना, इसके वितरण चैनलों के संबंध में नीति, कमीशन/कटौती संबंधी नीति, क्रेडिट की शर्तें, नाममात्र मूल्य की गणना आदि की कोई सूचना होने का प्रावधान नहीं होता है।
 - घरेलू उद्योग ने गोपनीयता का दावा किया है और उसे इस दृष्टि से अत्यधिक गोपनीयता रखने की अनुमति दी गई है कि उन्होंने पब्लिक फाइल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराई है।
 - घरेलू उद्योग ने लागत संबंधी सूचना के बारे में गोपनीयता रखने का दावा किया है। यह निवेदन किया है कि लागत संबंधी सूचना के भाग के रूप में निवेदन की गई सूचना सूची के रूप में आसानी से उपलब्ध कराई जा सकती है जिससे याचिका के साथ-साथ एक प्रवृत्ति को दर्शाया जा सके।
 - आयात के आंकड़ों को ठीक करने के लिए उपयोग की गई पद्धति के संबंध में वस्तुगत सूचना को याचिकाकर्ता ने प्रकट नहीं किया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निवेदन

18. प्राधिकारी के द्वारा गोपनीयता एवं प्रासंगिक समझने के संबंध में घरेलू उद्योग के द्वारा किए गए विभिन्न निवेदनों की जांच की जाती है और निम्नानुसार लिखा गया है:
- याचिकाकर्ता ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में यथा अनुमत उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर गोपनीयता का दावा किया है और ऐसी सूचना का एक सार्थक सारांश भी उपलब्ध कराया गया था। हितबद्ध पक्षकारों के ये दावे आधारहीन हैं कि याचिकाकर्ता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। घरेलू उद्योग के द्वारा भी यह निवेदन किया है कि उन्होंने हितबद्ध पक्षकार को समझने के लिए याचिका के अगोपनीय रूपांतरण में पर्याप्त सूचना उपलब्ध की है।
 - दूसरी ओर, प्रश्नावली के अगोपनीय रूपांतरणों में निर्यातकों के द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है। प्रत्युत्तर नियमों के तहत तथा इस विषय संबंधी अनुदेशों के तहत यथा अपेक्षित निर्यातकों के द्वारा दायर गोपनीय रूपांतरण की सही प्रतिकृति नहीं थी।
 - डॉव केमिकल, आईपीसीआरसी पोलयोल कंपनी तथा आईपीसीआरसी पीसीसी पोलयोल कंपनी के द्वारा संबद्ध कंपनियों के बारे में सूचना गुप्त रखी जाती थी। इसके अलावा, उन्होंने विक्री चैनल को भी गोपनीय रखा है जिससे घरेलू उद्योग को प्राधिकारी की सबसे अच्छे संभव तरीके से सहायता करने के लिए काफी रुकावट आई है।
 - निर्यातकों के द्वारा मात्रा संबंधी सूचना को भी प्रकट नहीं किया गया था और यह उनके द्वारा उपलब्ध कराने की जरूरत है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. गोपनीयता के संबंध में तथा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक समझे गए विभिन्न निवेदनों की जांच की जाती है और उन्हें निम्नानुसार लिखा जाता है:
- पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में सूचना की गोपनीयता निम्नानुसार है:
 - (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के

संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव नहीं है।

(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात को होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक हो, तो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।

- ii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। लागत सूचना को प्रकट न करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के विवाद का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी ने निरंतर यह मत दिया है कि लागत एवं मूल्य संबंधी सूचना बहुत ही गोपनीय स्वरूप की होती है तथा सार प्रस्तुत करने हेतु जवाबदेह नहीं होती है। अतः घरेलू उद्योग के द्वारा अत्यधिक गोपनीयता संबंधी हितबद्ध पक्षकारों का दावा वैध नहीं है तथा अतः निरस्त किया जाता है। दूसरी ओर, प्राधिकारी यह देखते हैं कि घरेलू उद्योग ने जोरदार ढंग से यह विरोध किया है कि डॉन्व केमिकल, थाइलैंड और आईआरपीसी एवं आईआरपीसी पीसीसी ने अपनी संबद्ध कंपनियों से संबंधित कुछ बुनियादी सूचना को प्रकट नहीं किया है। उन्होंने मात्रा संबंधी सूचना को भी गोपनीय रखा है। प्रश्नावली प्रत्युत्तर के अधिकांश परिशिष्टों को सूचीबद्ध नहीं किया गया है जो संबंधित पक्षकारों के लिए एक सार्थक जानकारी उपलब्ध करा सकते थे। तथापि, प्राधिकारी ने जहां कहीं न्याय संगत समझा, वहां पर गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय माना गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के लिए प्रकट नहीं की गई है। जहां संभव है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करन रहे पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध करने के लिए निर्देश दिया गया था। प्राधिकारी ने पब्लिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराए थे।

उ. विविध निवेदन

उत्पादकों/नियांतकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदन

20. वर्तमान जांच की अवधि के दौरान उत्पादकों/नियांतकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए एवं प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक माने गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:

- i. घरेलू उद्योग के द्वारा दायर किया गया आवेदन प्राधिकारी के द्वारा निर्धारित फार्म और तरीके के अनुसार नहीं है।
- ii. किसी प्रकार का पाटनरोधी शुल्क लगाने से छोटे विनिर्माताओं तथा फ्लैक्सिबल फोम से बने उत्पादों को क्षति होगी। इसके अलावा, एक उद्योग की सुरक्षा करने से फ्लैक्सिबल पोली यूरेथेन फोम के सैकड़ों विनिर्माताओं को क्षति हो रही है और उन्हें अप्रतिस्पर्धी भी बना देगा।
- iii. घरेलू उद्योग के द्वारा दायर किया गया आवेदन अनुच्छेद 5.2 पाटनरोधी शुल्क के बुनियादी साध्य मानक को भी पूरा नहीं करता है।
- iv. इंडियन पोलीयूरेथेन एसोसिएशन ने यह निवेदन किया कि थाइलैंड से सस्ते आयातों की वजह से घरेलू उत्पादक अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर पाते हैं। इसके अलावा, उन्होंने निवेदन किया कि आंतरिक शुल्क ढांचे की वजह से घरेलू उत्पादक संघर्ष कर रहे हैं तथा बड़े-बड़े प्रोपलीन ऑक्साइड का उत्पादन करने वाली कंपनियां भारतीय उत्पादकों के लिए यह उपलब्ध नहीं करा रही हैं।
- v. एसोसिएशन ने अपने निवेदन में भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों और प्रयोक्ताओं दोनों के लिए समान स्तर का समर्थन किया है। उन्होंने यह भी निवेदन किया कि भारतीय उद्योग के पास भारत की मांग को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी और क्षमता की कमी है।
- vi. स्थापना स्थल संबंधी हानि की वजह से घरेलू उद्योग अधिक संभार तंत्र लागतों का सामना कर रहा है और इसलिए उनके सामने आई क्षति की समस्या स्थापना स्थल के घटिया चयन की वजह से है और न कि संबद्ध वस्तुओं की आयातों की वजह से।

- vii. प्रोपलीन ऑक्साइड जैसी महत्वपूर्ण सामग्री का रख-रखाव करने के लिए अवरचना सुविधा की कमी की वजह से घरेलू उद्योग अधिक क्षमता उपयोग को प्राप्त करने में असमर्थ है। इस कारक को याचिकाकर्ता की विभिन्न वार्षिक रिपोर्टों से भी देखा जा सकता है। इसके अलावा, विलंबन रोक की वजह से घरेलू उद्योग अपनी क्षमता को बढ़ा नहीं सकता है।
- viii. एक आयातक के द्वारा यह भी निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग पर्याप्त मात्रा में और लगातार संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति करने में असमर्थ है।
- ix. आयात की मात्रा में बढ़ोत्तरी की वजह एएसईएएन एफटीए का सकारात्मक प्रभाव है। अतः कोई निर्धारण करते समय प्राधिकारी को इस तथ्य के बारे में विचार करना चाहिए।
- x. याचिका त्रुटिपूर्ण है और इसलिए जांच को समाप्त करने की जरूरत है।
- xi. मांग और आपूर्ति में काफी अंतर है और इसलिए वर्तमान कार्यवाही को समाप्त करना चाहिए।
- xii. घरेलू उद्योग वर्ष 1999 से व्यापार संबंधी उपायों का लाभ ले रहा है और इसलिए इससे डाउनस्ट्रीम उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। यह भी निवेदन किया था कि प्राधिकारी के द्वारा इस बार शुल्क लगाने संबंधी सिफारिश करनी चाहिए।

घरेलू उद्योग के मत

21. घरेलू उद्योग ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान कुछ मुद्दे भी उठाए थे और हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए विविध निवेदनों के बारे में टिप्पणी दी है जो निम्नानुसार है:
- i. घरेलू उद्योग के द्वारा प्राधिकारी के दिशा-निर्देशों के अनुसार याचिका दायर की है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रमाणों से संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने वर्तमान जांच की शुरूआत की है तथा इसलिए वर्तमान कार्रवाईयां वर्तमान कानूनों के अनुसार वैध और औचित्यपूर्ण हैं।
 - ii. घरेलू उद्योग ने प्रपत्र-IVक में तथा क्षति विश्लेषण में विक्रय मूल्य का पूरा व्यौरा उपलब्ध कराया है। इसलिए एक स्थान पर सूचना को प्रस्तुत न करने को ही किसी नियम का उल्लंघन करना नहीं माना जा सकता है, विशेषकर जब घरेलू उद्योग ने विस्तृत क्षति विश्लेषण उपलब्ध कराया हो।
 - iii. घरेलू उद्योग तकनीकी तौर पर 50,000 मी. टन तक संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन कर सकता है और उसमें किसी प्रकार की बाधा नहीं है, सिवाय थाइलैंड से बाजार में आ रहे कम कीमत के आयातों के। घरेलू उद्योग के द्वारा यह भी निवेदन है कि उन्हें संबद्ध वस्तुओं का विनिर्माण करने में केटिवली निर्मित प्रोपलीन ऑक्साइड (पीओ) का उपयोग करने का लाभ मिला है और यही सटीक कारण है कि वे क्यों वाणिज्यिक आधार पर संबद्ध वस्तुओं का अभी विनिर्माण कर रहे हैं, जबकि अन्य उत्पादक निरंतर आधार पर संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने में असमर्थ हैं। इसके अलावा, घरेलू उद्योग अपनी शेष जरूरत के लिए पीओ का आयात भी कर रहा है। इसलिए घरेलू उद्योग ने हितबद्ध पक्षकारों के दावों को निरस्त करने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध किया क्योंकि उनमें किसी प्रकार की गुणवत्ता नहीं है और लिखित तथ्यों के प्रतिकूल हैं।
 - iv. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया कि पाटनरोधी उपायों को लगाने से घरेलू स्तर पर निर्मित वस्तुओं और आयात की गई संबद्ध वस्तुओं के बीच में समान स्तर का समर्थन ही होगा। इसके अलावा, किसी भी लेवा से प्रयोक्ता उद्योग प्रभावित नहीं होगा क्योंकि दोनों ही स्रोतों से प्रतिस्पर्द्धी दर पर संबद्ध वस्तुएं उनके लिए उपलब्ध होंगी।
 - v. घरेलू उद्योग यह निवेदन करता है कि उनकी गुणवत्ता आयातित वस्तुओं के बराबर है और केवल कम मूल्य के आयातों की वजह से ही प्रयोक्ता उद्योग आयातित संबद्ध वस्तुओं को खरीद रहे हैं। घरेलू उद्योग के पास स्थानीय मांग को पूरा करने की काफी बेरोजगार क्षमता है।
 - vi. स्थान अथवा भौगोलिक असुविधाओं के संबंध में, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि पाटनरोधी जांच में इसका कोई महत्व नहीं है क्योंकि कारखानागत होने के बाद सभी व्ययों के बारे में किसी भी विश्लेषण में विचार नहीं किया जाता। अतः किसी माल-भाड़े और स्थान के महत्व से तर्क का कोई कानूनी या तथ्यात्मक आधार नहीं है और इसे खारिज किए जाने की आवश्यकता है।
 - vii. घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया कि पहले मामलों का इतिहास वर्तमान कार्यवाहियों के तथ्यों के लिए किसी प्रकार विधिक अथवा वास्तविक प्रासंगिकता नहीं रखते हैं। माननीय प्राधिकारी को केवल यह देखना अपेक्षित है कि क्या पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु मामला वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों की वजह से है। यह समझा जा सकता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी के दिमाग में एक पूर्वग्रह पैदा करने के आशय से ही पहली जांचों के ब्यौरे भेजे हैं।

घरेलू उद्योग ने यह निवेदन भी किया कि यदि निर्यातिक पाटन कार्य में लिस रहते हैं तो घरेलू उद्योग के पास कोई अन्य विकल्प नहीं है अपितु उचित राहत हेतु भूमि के कानूनों के तहत उपचार प्राप्त करने का विकल्प है। पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग ने संबंधित उत्पाद के इतिहास के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के द्वारा किए गए निवेदनों को निरस्त करने के लिए प्राधिकारी से अनुरोध किया है।

- viii. घरेलू उद्योग ने यह भी निवेदन किया कि डॉव केमिकल ने निर्यातों की अपनी पूरी चैन के बारे में सूचित नहीं किया है और इसलिए उनके प्रत्युत्तर को निरस्त करने की जरूरत है।
- ix. घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि इंडियन पॉलीयूरेथन एसोसिएशन ने कम कीमतों पर थाइलैंड से बढ़ते हुए आयातों की बात स्वीकार की है, जो थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के पाटित एवं अलाभकारी आयातों का प्रतिकूल प्रभाव को साफ-साफ दर्शाता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

22. वर्तमान जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न विविध मुद्दों की इसमें नीचे जांच की गई है:

- क. जहां तक प्रतिपथ हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि याचिका अपूर्ण है और इसलिए जांच को समाप्त किए जाने की आवश्यकता है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि वर्तमान जांच पाटन, क्षति और संयोगिक संबंध और अधिनियम और नियमावली के अनुसरण में जांच को आरंभ किए जाने के औचित्य को दर्शाते हुए घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्ट्या साक्ष्यों के आधार पर आरंभ की गई थी। प्राधिकारी ने जब भी जरूरी था, अतिरिक्त जानकारी की मांग की है और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी को सत्यापित किया है।
- ख. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी को सत्यापित किया गया है और केवल सत्यापित जानकारी को ही जांच की अंतिम कार्रवाई के लिए प्रयुक्त किया गया है। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने लागत लेखा परीक्षक द्वारा भली-भांति प्रमाणित संबद्ध वस्तुओं की पूरी लागत उपलब्ध कराई है और इसलिए प्राधिकारी द्वारा परिशुद्धता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों की आशंका की पूरी तरह से जांच की गई है।
- ग. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों की यह कहना है कि थाइलैंड से आयातों में वृद्धि एफटीए के कारण है, यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी संदर्भ में इस तर्क का कोई निष्कर्ष या प्रासंगिकता नहीं है। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, पाटनरोधी शुल्क केवल तभी लगाया जाएगा यदि आयात पाटित है और घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा रहे हैं। इसलिए, एफटीए के कारण आयातों में वृद्धि के संबंध में निर्यातकों/आयातकों द्वारा उठाए गए मुद्दों का कोई अर्थ नहीं है।
- घ. आयात डाटा के संबंध में, यह देखा गया है कि प्राधिकारी ने विश्लेषण के प्रयोजनार्थ डीजीसीआईएंडएस आयात डाटा का प्रयोग किया है और आयात डाटा से संबंधित सभी मुद्दों को ध्यान में रखा गया है।
- इ. जैसा कि पहले ही डॉव केमिकल्स के उत्तर के संबंध में उक्त पैराग्राफ 3 में इंगित किया गया है, यह नोट किया गया है कि इसे इसलिए खारिज किया गया क्योंकि वे भारत को निर्यातों में शामिल सभी संबद्ध पक्षकारों के निर्यातिक प्रश्नावली के उत्तर को प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं। आगे भी यह देखा गया है कि प्राधिकारी ने निर्यात के सभी चैनलों से भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में पूर्ण उत्तर प्रस्तुत करने के लिए डॉव केमिकल्स, थाइलैंड को कई अवसर उपलब्ध कराए थे। बाद में, प्राधिकारी ने ही यह पता लगाया है कि डॉव केमिकल ने सिंगापुर में अपनी संबद्ध सत्ता के जरिए निर्यात किया है। यहां यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि यदि प्राधिकारी डी जी प्रणाली से आयात डाटा की मांग नहीं करते और उनका विश्लेषण नहीं करते तो इन निर्यातों का पता नहीं चलता क्योंकि डीजीसीआईएंडएस डाटा में निर्यातिक का नाम उपलब्ध नहीं कराया गया था। प्राधिकारी का मत है कि निर्यातिक द्वारा निर्यात की कम रिपोर्टिंग करना या गलत रिपोर्टिंग करने से पाटन मार्जिन की संभावना पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है और इसलिए इसे निर्यातिक की ओर से गंभीर चूक समझा जाना चाहिए। डॉव केमिकल द्वारा निर्धारित तरीके में उत्तर प्रस्तुत करने में उनकी असफलता और इस तथ्य को देखते हुए कि उक्त निर्यातिक ने भारत को अपने कम निर्यात की रिपोर्टिंग की है, प्राधिकारी इस जांच के प्रयोजनार्थ उन्हें सहयोगी समझने की स्थिति में नहीं है।
- ज. आगे यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने डॉव केमिकल को दिनांक 10.02.2017 को उनके दावे को सावित करने के लिए उनके विशेष अनुरोध पर एक और अवसर उपलब्ध कराया था। तथापि, डॉव केमिकल अपने दावे की प्रमाणित नहीं कर सके या कोई नई जानकारी नहीं शामिल कर सके। यह भी नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि डॉव केमिकल, सिंगापुर एक पृथक कानूनी सत्ता है जिनका अपना स्वयं का बहीखाता और लेखा है। इसके अलावा, डॉव केमिकल, सिंगापुर की एक अलग कंपनी है। वर्तमान जांच में डॉव केमिकल सिंगापुर खरीद कीमत, एसजीए तथा किए गए अन्य व्यय से संबंधित आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने और भाग लेने में विफल रही है जो कि कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत की गणना करने के लिए आवश्यक है। चूंकि पूर्ण व्यूरों का रिकार्ड नहीं था, इसलिए प्राधिकारी डॉव केमिकल्स, थाइलैंड के लिए कारखाने से बाहर निर्यात मूल्य एवं पहुँच मूल्य का निर्धारण करने में असमर्थ है।

सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

23. जांच की अवधि के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा प्रस्तुत किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन से संबंधित प्रस्तुतियां निम्नानुसार हैं:
- क. आवेदक घरेलू उत्पादक ने संबद्ध वस्तुओं के प्रति एक जांच आरंभ करने की मांग की है किंतु इसके समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए। इस संबंध में, यह कहा जाता है कि मूलभूत साक्ष्यात्मक मानकों को पूरा किए बिना कोई जांच समर्थनीय नहीं है और इसलिए वर्तमान जांच को तत्काल निरस्त किया जाना चाहिए।
 - ख. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए अंतर्देशीय माल-भाड़े का आकलन भी किसी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं किया गया है। आवेदक घरेलू उत्पादक अंतर्देशीय माल-भाड़े के इसके आकलन को व्यक्त करने के लिए आंकड़ों के एक सेट पर मनमाने ढंग से पहुँचे हैं। आवेदक ने कोई साक्ष्य अंतर्निहित नहीं किए हैं कि अंतर्देशीय माल-भाड़े के रूप में कैसे आंकड़े तैयार किए गए और संगत संगणनाएं क्या हैं।
 - ग. याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि याचिकाकर्ता ने अपनी संगणनाओं के समर्थन में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।
 - घ. आवेदक द्वारा निर्यात कीमत के संबंध में किए गए समायोजन असामान्य रूप से उच्च हैं और किसी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है। अतः, प्राधिकारी को निर्यात कीमत की संगणना करते समय सही समायोजनों का प्रयोग करना चाहिए।
24. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में प्रस्तुत की गई तथा प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई प्रस्तुतियां निम्नानुसार हैं:
- क. थाइलैंड में संबद्ध वस्तुओं की स्थानीय खपत बहुत न्यूनतम है, जो घरेलू उद्योग के अनुसार, जांच की अवधि के दौरान भारत को कुल निर्यातों के 5% से कम हो सकता है। इस संदर्भ में, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि थाइलैंड से निर्यातकों द्वारा की गई घरेलू विक्रियों की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए।
 - ख. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से डॉक केमिकल्स के वैयक्तिक पाटन मार्जिन के दावे को खारिज करने का अनुरोध किया है क्योंकि वे जांच में पूरी तरह से सहयोग करने में असफल रहे हैं। यह अस्वीकृति माननीय प्राधिकारी की लगातार ऐक्टिविटी की श्रृंखला में होगी। आगे यह कहा जाता है कि प्राधिकारी ने कास्ट एल्युमीनियम एलॉय व्हील्स या एलॉय रोड व्हील्स की हाल ही में की गई जांच में बहुत सख्त कार्रवाई की है और निर्यातकों के उत्तर को खारिज किया है क्योंकि उनकी मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है। सज्जारिन सनसेट पुनरीक्षा जांच में, प्राधिकारी ने निर्यातकों में से एक निर्यातक के उत्तर को केवल इसलिए खारिज कर दिया था कि क्योंकि उनकी मूल कंपनियों ने निर्यातकों की पूरी प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। उसको ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि तत्कालीन मामले में भी माननीय प्राधिकारी द्वारा समान सिद्धांत का अनुसरण किया जाना चाहिए। आगे यह कहा गया है कि कोई अन्य विचारधारा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के प्रतिकूल होगी।
 - ग. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को आईआरपीसी और आईआरपीसी पीसीसी, दोनों को पृथक पाटन मार्जिन प्रदान करना चाहिए क्योंकि दोनों ने पृथक-पृथक निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दायर किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

25. धारा 9क(i)(ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु के लिए तुलनीय कीमत जब वह उप धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
 - (ii) जब निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई विक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम विक्री मात्रा के कारण ऐसी विक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या राज्य क्षेत्र से या किसी उपर्युक्त तीसरे देश से किया गया हो; अथवा
 - (ख) उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसरण में यथा निर्धारित, प्रशासनिक, विक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्भव वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

26. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र और तरीके में सूचना उपलब्ध कराने के लिए सलाह देते हुए थाइलैंड से ज्ञात निर्यातिकों को प्रश्नावली भेजी गई थी। तथापि, निम्नलिखित उत्पादक और निर्यातिकों को छोड़कर, थाइलैंड से किसी अन्य उत्पादक/निर्यातिकों ने उनकी प्रश्नावली के उत्तरों को प्रस्तुत करने के द्वारा जांच में सहयोग नहीं किया है।
- मैसर्स आईआरपीसी थाइलैंड
 - मैसर्स आईआरपीसी पीसीसी थाइलैंड
 - मैसर्स डॉव केमिकल थाइलैंड
27. चूंकि, ऊपर उल्लिखित कंपनियों ने प्रश्नावली उत्तर प्रस्तुत किया है, प्राधिकारी ने मैसर्स आईआरपीसी के संबंध में वैयक्तिक पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए प्रस्ताव किया है। प्राधिकारी पूर्ववर्ती पैराग्राफों में विस्तार से बताए गए कारणों से डॉव केमिकल, थाइलैंड के लिए वैयक्तिक पाटन मार्जिन को निर्धारित करने की स्थिति में नहीं है। तदनुसार, उन्हें असहयोगी माना गया है।

थाइलैंड से आईआरपीसी पोलयोल कंपनी लिमिटेड के लिए सामान्य मूल्य

28. ई क्यू उत्तरों में प्रस्तुत जानकारी के आधार पर प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि आईआरपीसी थाइलैंड संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है और जांच की अवधि के दौरान उसने भारत को संबद्ध वस्तुएं निर्यात की हैं। यह भी नोट किया है कि जांच की अवधि के दौरान उत्तरवर्ती भाग के दौरान, आईआरपीसी पोलयोल कंपनी लिमिटेड और पीसीसी रोकिता कं. लि. ने आईआरपीसी – पीसीसी कंपनी लिमिटेड नाम से समान शेयर धारिता के साथ एक नई कंपनी बनाई है। आईआरपीसी – पीसीसी कंपनी लि. ने अक्टूबर, 2015 से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया। प्राधिकारी ने पहले जांच की कि जब निर्यातक देश में संबद्ध वस्तुओं की कुल विक्रियों से तुलना की जाती है तो क्या भारत को संबद्ध वस्तुओं की संबंधित उत्पादकों/निर्यातिकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू विक्री निरुपक थी? तत्पश्चात, यह जांच की गई कि क्या उनकी विक्री पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के नियम-2 की शर्तों में सामान्य प्रक्रिया के अध्यधीन है। आईआरपीसी और आईआरपीसीसी पीसीसी पोलयोल ने घरेलू बाजार में की गई विक्रियों के सौदे-वार विवरण उपलब्ध कराए हैं। जांच के बाद प्राधिकारी ने इन्हें स्वीकार किया है और घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं की भारित औसत विक्री कीमत को निर्धारित करने के लिए उनका आश्रय लिया। व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया का निर्धारण करने के लिए, संबंधित उत्पाद के उत्पादन की लागत में उत्पादक/निर्यातक द्वारा अनुरक्षित रिकार्डों के संदर्भ में आईआरपीसी के एसजीए व्यय शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, यह निर्धारित करने के लिए, कि क्या घरेलू विक्री व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में की गई थी या नहीं संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में सभी घरेलू विक्री सौदों की जांच की गई।
29. घरेलू विक्री कीमत से, अंतर्देशीय माल-भाड़ा, पैकिंग लागत और क्रेडिट लागत के प्रति समायोजन का दावा किया गया है। इन सभी समायोजनों को आईआरपीसी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर जांच के बाद स्वीकृति दी गई है। संबद्ध वस्तुओं के लिए एक्स-फैक्ट्री सामान्य मूल्य यूएसडी ***/किग्रा है। नीचे दी गई पाटन मार्जिन संबंधी सारणी में भी इसका उल्लेख किया गया है।

थाइलैंड से अन्य उत्पादकों और निर्यातिकों के मामले में सामान्य मूल्य

30. चूंकि, आईआरपीसी और आईआरपीसी पीसीसी के अतिरिक्त संबद्ध वस्तुओं के कोई अन्य सहयोगी उत्पादक नहीं है, आईआरपीसी के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य को थाइलैंड में अन्य उत्पादकों/निर्यातिकों के लिए भी सभी उपयुक्त समायोजनों को किए जाने के पश्चात अपनाया गया है। प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया सामान्य मूल्य नीचे पाटन मार्जिन सारणी में उल्लिखित है।

मै. आईआरपीसी पोलयोल कंपनी और आईआरपीसी पीसीसी पोलयोल के प्रकरण में निर्यात मूल्य

31. प्राधिकारी ने आगे यह टिप्पणी की है कि आईआरपीसी पॉलयोल और आईआरपीसी पीसीसी पोलयोल कंपनी, थाइलैंड ने आईआरपीसी कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के निर्यात का दावा करते हुए निर्यातिकों की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। इस संबंध में यह नोट किया गया है कि आयात संबंधी आंकड़ों के अनुसार सं. *** (**** अमेरिकी डॉलर) प्रति मी. टन के औसत सीआईएफ मूल्य पर जांच की अवधि के दौरान आईआरपीसी और आईआरपीसी पीसीसी द्वारा थाइलैंड से आयातित किए गए थे। सहयोगी निर्यातिक के उत्तर से उपलब्ध तथ्यों और उपलब्ध सूचना के आधार पर अंतर्देशीय और समुद्री माल-भाड़ा और बीमा और बैंक प्रभारों तथा क्रेडिट लागत आदि सहित सभी विक्री पश्च व्ययों के लिए सीआईएफ मूल्यों को समायोजित करने के पश्चात कार्य पूर्ण स्तर पर निवल भारांशित औसत निर्यात **** अमेरिकी डॉलर प्रति कि. ग्रा. ठहरता है।

थाइलैंड से अन्य उत्पादकों/निर्यातिकों के मामले में निर्यात कीमत

32. थाइलैंड के मामले में अन्य उत्पादकों/निर्यातिकों के लिए निर्यात मूल्य रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्धारित किया जाता है। प्राधिकारी कारखानागत स्तर पर निवल निर्यात कीमत को प्राप्त करने के लिए कमीशन, क्रेडिट लागत, बैंक प्रभारों, समुद्रपारीय माल-भाड़ा और निपटान पश्च प्रभारों के आधार पर समायोजन करते हैं। तदनुसार, कारखानागत स्तर पर निर्धारित की गई निवल निर्यात कीमत नीचे पाटन मार्जिन संबंधी सारणी में दी गई है।

पाटन मार्जिन

33. संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य कीमत और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए, समग्र रूप में संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार निर्धारित किया गया है। यह देखा गया है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन न्यूनतम मूल्य से अधिक और महत्वपूर्ण है।

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	%	रेंज
	(यूएसडॉलर/किग्रा)	(यूएसडॉलर/किग्रा)	(यूएसडॉलर/किग्रा)		
आईआरपीसी और आईआरपीसी पीसीसी	***	***	***	***	10-20
असहयोगी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	25-35

पाटित वस्तुओं का क्षति आकलन और क्षति की जांच तथा सांयोगिक संबंध

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रस्तुतियां

34. वर्तमान जांच की प्रगति के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत तथा प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई क्षति संबंधी प्रस्तुतियां निम्नानुसार हैं:

- डीजीएडी द्वारा न केवल याचिकाकर्ता कंपनी बल्कि बाजार में अन्य घरेलू उत्पादकों के लिए भी आंकड़ों की जांच किया जाना अपेक्षित है कि बाजार में एक और उत्पादक भी है। प्रकरण होने के कारण डीजीएडी को अन्य उत्पादकों के बारे में जानकारी प्रस्तुत करने के लिए याचिकाकर्ताओं को निदेश देना चाहिए था अथवा क्षति के आकलन के प्रयोजनार्थ आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराना अन्य घरेलू उत्पादकों के लिए जरूरी है।
- आधार वर्ष की तुलना में क्षति अवधि के दौरान आयात कीमतें बढ़ जाती हैं, अतः याचिकाकर्ता का दावा कि पाटित और निम्न कीमतों वाले आयात लाभदायकता को प्रभावित कर रहे हैं और बिक्री कीमत को बढ़ाने में इसकी असमर्थता के संबंध में कोई सत्यता नहीं है। आगे यह प्रस्तुत किया गया है कि अभी तक कोई भी मात्रा भी प्रभावित नहीं हुई है।
- यह कहा गया है कि घरेलू उद्योग ने अध्याय 3.4 के संबंध में अनिवार्यताओं को पूरा नहीं किया है, जो यह अनिवार्य बनाता है कि विभिन्न कारकों में "वास्तविक और संभावित" गिरावट की जांच की जाए और क्षति के सकारात्मक निष्कर्षों के लिए स्थापित किया जाए।
- घरेलू उद्योग इसकी संयंत्र क्षमता का विस्तार करने तथा आलोच्य कद्दे माल का निपटान करने में भी अपनी अक्षमता के कारण क्षति का सामना कर रहा है और इसलिए क्षति को थाइलैंड से आयातों के कारण हुआ नहीं माना जा सकता।
- घरेलू उद्योग प्रति वर्ष उत्पादित माल के 98-99 प्रतिशत भाग की बिक्री करने में सक्षम था। उस मामले में, याचिका में उपलब्ध कराए गए बढ़े हुए इफेंटरी आंकड़ों के प्रति आवेदक घरेलू उत्पादक की माल सूची को तर्कसंगत रूप से बहुत कम होना चाहिए।
- घरेलू उद्योग का आरोप है कि संबद्ध वस्तु के थाइलैंड से आयात उल्लेखनीय रूप से अधिक्य है और यह घरेलू उद्योग के कार्य को नुकसान पहुँचा रहा है। तथापि, यह नोट किया जाना चाहिए कि घरेलू उद्योग औसत रूप से कुल मांग की थोड़े से प्रतिशतांक का ही प्रबंध करने में सक्षम है।

घरेलू उद्योग का विचार

35. वर्तमान जांच की प्रगति के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई क्षति संबंधित प्रस्तुतियां और प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई प्रस्तुतियां निम्नानुसार हैं:

- विचाराधीन उत्पाद के आयातों ने जांच की अवधि में महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ कई वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाई है। भारत में उत्पादन और उपभोग के संबंध में आयातों में भी वृद्धि दिखाई देती है।

- ii. मांग में थाइलैंड का मार्केट शेयर महत्वपूर्ण है। आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग का बाजार में हिस्सा घटा है। यह थाइलैंड से किए गए उल्लेखनीय आयातों के कारण है।
- iii. विदेशी उत्पादकों द्वारा कीमतों में की गई कमी के साथ भारतीय उत्पादकों के पास केवल यही रास्ता बचा है कि या तो वे आयात कीमतों में परिवर्तनों के साथ अपनी कीमत पुनः स्थापित करें या आदेशों को गवां दे और परिणामस्वरूप बाजार में हिस्सा भी।
- iv. घरेलू उद्योग कीमतों, कीमतों के उस प्रभाव को प्रतिविवित करती है जो घरेलू बाजार में आयातकों द्वारा प्रस्तुत की जा रही हैं।
- v. आयातित वस्तुएं घरेलू उद्योग की कीमतों को कम कर रही हैं। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में मूल्य में कमी जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक रही है।
- vi. आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के साथ मालसूची बढ़ी है।
- vii. घरेलू उद्योग का निष्पादन में लाभ, निवेशों पर वापिसी और नकद लाभ की शर्तों में अत्यधिक ह्रास हुआ है।
- viii. घरेलू उद्योग की लाभदायकता में गिरावट थाइलैंड से गैर-लाभकारी कीमतों पर आयात मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण थी।
- ix. विक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में वृद्धि की तुलना में थी और इस प्रकार पाटित आयात घरेलू उद्योग पर कीमत ह्रास प्रभाव सृजित कर रहे हैं।
- x. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों की प्रस्तुतियों का संबंध है, आयातों की कम प्रमात्रा और घरेलू उद्योग पर उनके प्रभाव के संबंध में यह कहा जाता है कि थाइलैंड से आयात 3% की शुरूआती सीमा से अधिक है और इसलिए यह कहना गलत होगा कि आयात स्स्ता है। इसके अतिरिक्त, उनके मूल्य लागत घरेलू उद्योग के विक्री मूल्य से कम है और इसलिए क्षति का कारण है। इसलिए घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से उनके द्वारा उठाई जा रहा क्षति के संबंध में प्रतिक्रियाधारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए जा रहे दावों को खारिज करने का अनुरोध किया है।
- xi. घरेलू उद्योग थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के संबंध में माल की क्षति का सामना कर रहा है। इसके अतिरिक्त, यदि वर्तमान स्थिति जारी रही तो घरेलू उद्योग को लगातार क्षति होने का खतरा है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

36. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव, दोनों की उद्देश्यपूर्ण जांच के लिए व्यवस्था की गई है। पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अनिवार्य है कि क्या पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है चाहे वह कुल रूप में हो या भारत में उत्पादन या उपभोग के संबंध में हो। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अनिवार्य है कि क्या भारत में समान उत्पाद के मूल्य की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमतों में उल्लेखनीय कमी हुई है या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में उल्लेखनीय सीमा तक अन्यथा रूप से ह्रास करता है, या कीमतों में वृद्धि को रोकता है जो अन्यथा एक उल्लेखनीय सीमा तक घटित होता।
37. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II का पैरा (iv) निम्नानुसार बताता है:

"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों का मूल्यांकन शामिल है, जिनमें लाभ, आउटपुट, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर वापिसी या क्षमता का उपयोग, घरेलू कीमतों पर प्रभाव डालने वाले कारक, वास्तविक पाटन मार्जिन की मात्रा और नकदी प्रवाह पर संभावित क्रृष्णात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, संवृद्धि, पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता सम्मिलित है।"
38. आगे चल कर प्राधिकारी द्वारा किए गए क्षति विश्लेषण वर्तमान जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों तथा प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न उत्तरों को संबोधित करते हैं।
39. जहां तक इस प्रस्तुति का संबंध है कि डीजीएडी को न केवल याचिकाकर्ता कंपनी के डाटा की बल्कि बाजार में अन्य घरेलू उत्पादकों के डाटा की भी जांच करना अपेक्षित है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि याचिकाकर्ता कंपनी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग है। इसके अतिरिक्त, किसी अन्य घरेलू उत्पादक का उत्पादन महत्वपूर्ण नहीं है।

40. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमवली के अनुबंध-3 और डीजीएडी की स्थापित पद्धति के अनुसरण में गैर-क्षति मूल्य कीमतों को परिकलित करने का प्रस्ताव किया है।
41. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच के लिए, प्राधिकारी ने ऊपर नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर भार हैं, जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोगिता, बिक्री की प्रमात्रा, स्टॉक, लाभदायिकता, निवल बिक्री, वसूली, पाटन की प्रमात्रा और मार्जिन आदि।

ड. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

आयात की मात्रा और बाजार शेयर

42. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में या तो कुल रूप में अथवा उत्पादन अथवा उपभोग के सापेक्ष में पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अति विश्लेषण के प्रयोजन से, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस डाटा से प्राप्त आयात संबंधी डाटा का आश्रय लिया है। थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा निम्नानुसार विश्लेषण की गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
थाइलैंड	एमटी	93	1507	1738	10027
अन्य देश	एमटी	44806	41844	40000	44654
कुल आयात मात्रा	एमटी	44899	43352	41738	54680
घरेलू उद्योग बिक्री	एमटी	13451	13471	15890	14688
अन्य घरेलू उत्पादक बिक्री	एमटी	400	450	400	500
कुल घरेलू बिक्री	एमटी	13851	13921	16290	15188
मांग	एमटी	58750	57273	58028	69869
आयात में बाजार हिस्सा					
थाइलैंड	%	0.21%	3.48%	4.16%	18.34%
अन्य देश	%	99.79%	96.52%	95.84%	81.66%
मांग में बाजार हिस्सा					
थाइलैंड	%	0.16%	2.63%	3.00%	14.35%
अन्य देश	%	76.27%	73.06%	68.93%	63.91%
घरेलू उद्योग	%	22.90%	23.52%	27.38%	21.02%
अन्य घरेलू उत्पादक	%	0.68%	0.79%	0.69%	0.72%

43. उपर्युक्त सारणी से यह देखा गया है कि थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में आधार वर्ष अर्थात् 2012-13 की तुलना में जांच की अवधि के दौरान कुल रूप में वृद्धि हुई है। थाइलैंड से आयात 2012-13 के आधार वर्ष में 93 मी. टन से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान 10027 मी. टन हो गया जो कि 10650% से अधिक की वृद्धि है।
44. समग्र आयातों के संबंध में थाइलैंड से बाजार शेयर भी आधार वर्ष में 0.21% से उल्लेखनीय रूप से बढ़कर जांच की अवधि के दौरान बढ़कर 18.34% हो गया। यह वृद्धि उल्लेखनीय है। इसी प्रकार, इसी अवधि के दौरान, कुल मांग के लिए थाइलैंड का बाजार शेयर भी 90 गुना से अधिक अर्थात् 0.16% से 14.35% हो गया। इस प्रकार यह देखा जा सकता है कि कुल रूप में तथा देश में आयातों और समग्र मांग के संबंध में थाइलैंड से आयात की मात्रा में अत्यधिक उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है।

आयातों का कीमत प्रभाव

45. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह विचार किया जाना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा उल्लेखनीय रूप से कीमतों में कमी हुई है या ऐसे आयातों के प्रभाव ने महत्वपूर्ण रूप तथा कीमतों पर अन्यथा रूप से असर डाला है या कीमतों में वृद्धि को रोका है जो अन्यथा रूप से उल्लेखनीय मात्रा तक घटित होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की कीमतों में कमी, कीमत उन्मूलन और कीमत ह्रास, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है।

समय के साथ-साथ कीमतों का विकास

46. क्षति की अवधि के दौरान, थाइलैंड में मूल रूप से उत्पादित आयातों की औसत सीआईएफ कीमत निम्नानुसार है:

थाइलैंड	आयात मात्रा	आयात कीमत (सीआईएफ)
वर्ष	एमटी	रु./एमटी
2012-13	93	108959
2013-14	1507	129057
2014-15	1738	135488
पीओआई	10027	113235

47. उपर्युक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि संबद्ध वस्तुओं की सीआईएफ आयात कीमतों में वर्ष 2014-15 तक वृद्धि हुई है और उसके बाद मुख्य रूप से डॉके केमिकल थाइलैंड की निम्न निर्यात कीमतों के कारण उनमें जांच की अवधि में उल्लेखनीय रूप से ह्रास हुआ है। कीमतों में इस गिरावट के साथ मात्रा में वृद्धि ने घरेलू उद्योग के निष्पादन पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। विस्तृत विश्लेषण क्षति विश्लेषण के परवर्ती भाग में किया गया है।

कीमतों में कमी

48. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर घात कर रहे हैं, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल विक्री वसूली के साथ आयातों की लैंडिंग कीमत की तुलना की है:

थाइलैंड	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	पीओआई
आयातों की लैंडिंग कीमतें	रु./एमटी	110049	130348	136843	114367
निवल विक्री वसूली	रु./एमटी	***	***	***	***
निवल विक्री वसूली	सूचकांक	100	117	120	113
कीमत कटौती	रु./एमटी	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)	%	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)	रेंज %	0-10	(10) - 0	(10) - 0	5-15

49. प्राधिकारी ने टिप्पणी की कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की विक्री कीमतों से काफी कम थे जो जांच की अवधि में थाइलैंड से पाठित आयातों के कारण उल्लेखनीय रूप से कीमतों में गिरावट को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग का यह दावा है कि उनकी विक्री कीमतों में इस तथ्य के कारण अनिवार्य रूप से गिरावट आई है कि उन पर पाठित आयातों के भूमि (पहुँच) मूल्यों के साथ उनकी कीमतों को समान स्तर पर रखने का दबाव था। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के तर्क में सत्यता पाई क्योंकि पीओआई में उनका निष्पादन क्रृष्णात्मक था।

कीमत नियंत्रण एवं गिरावट

50. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाठित आयातों से घरेलू कीमतों पर नियंत्रण अथवा उनमें गिरावट हो रही है और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में पर्याप्त मात्रा में नियंत्रण हो रहा है अथवा कीमत वृद्धि में रुकावट हो रही है, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में होती, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तनों पर विचार किया। नीचे दी गई तालिका में तथ्यात्मक स्थिति दर्शाई गई है:

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
आयातों का पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	110049	130348	136843	114367
सूचकांक	सूचीबद्ध	100	118	124	104
विक्री का लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	108	107
विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	120	113

उपरोक्त तालिका से यह भी नोट किया जाता है कि थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य में 136843 रु. प्रति मी. टन से 114367 रु. प्रति मी. टन की पर्याप्ति वृद्धि हुई है। थाइलैंड से पहुँच मूल्य में इस गिरावट का घरेलू उद्योग पर कीमत नियंत्रण/कीमत में गिरावट का प्रभाव पड़ा है, क्योंकि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की लागत में गिरावट से अधिक विक्री कीमत में गिरावट हुई है।

कम कीमत पर विक्री

51. प्राधिकारी ने थाइलैंड से पाठित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के समक्ष आ रही कम कीमत पर विक्री की समस्या की जांच की है, जो इस प्रकार है :

	यूनिट	थाइलैंड
आयातों की पहुँच कीमत	रु./मी. टन	114367
गैर- क्षति कीमत	रु./मी. टन	***
कम कीमत पर विक्री	रु./मी. टन	***
कम कीमत पर विक्री (%)	%	***
कम कीमत पर विक्री (%)	रेंज %	5-15

52. उपरोक्त तालिका से यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग को थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण पर्याप्त रूप से कम कीमत पर विक्री का सामना करना पड़ा है।

ज. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

53. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षा की गई है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की एक उद्देश्यपरक जांच शामिल होगी। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति से संबंध रखने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों का एक उद्देश्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिनमें विक्री, लाभ, आउटपुट, बाजार अंश, उत्पादकता, निवेशों पर प्रतिफल अथवा क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट घरेलू कीमतों, पाटन की मात्रा को प्रभावित करने वाले कारक, पूँजीगत निवेशों में वृद्धि के लिए नकदी प्रवाह, वस्तु-सूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, योग्यता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल है।

54. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंड नीचे दिए गए हैं :

- i. **बाजार अंश :** घरेलू विक्रियों पर पाठित आयातों के प्रभाव और घरेलू उद्योग के बाजार अंश की जांच की गई है, जो इस प्रकार है :

	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
घरेलू उद्योग की विक्रियां	मी. टन	13451	13471	15890	14688
अन्य घरेलू उत्पादकों की विक्री	मी. टन	400	450	400	500
कुल घरेलू विक्रियां	मी. टन	13851	13921	16290	15188
थाइलैंड से आयात	मी. टन	93	1507	1738	10027
अन्य देशों से आयात	मी. टन	44806	41844	40000	44654
कुल आयात	मी. टन	44899	43352	41738	54680
कुल मांग	मी. टन	58750	57273	58028	69869
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	97	99	119
बाजार अंश					
मांग में घरेलू उद्योग का % अंश	%	22.90%	23.52%	27.38%	21.02%
मांग में घरेलू उत्पादक का % अंश	%	0.68%	0.79%	0.69%	0.72%
मांग में थाइलैंड का % अंश	%	0.16%	2.63%	3.00%	14.35%
मांग में अन्य देशों का % अंश	%	76.27%	73.06%	68.93%	63.91%

उपरोक्त से यह नोट किया जाता है कि थाइलैंड के बाजार अंश में पर्याप्त वृद्धि हुई है अर्थात् आधार वर्ष में 0.16% से जांच की अवधि में 14.35% अर्थात् 90% तक की वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि थाइलैंड से आयात वर्ष 2014-15 में 3% से बढ़कर जांच की अवधि में 14.35% हो गए हैं। इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार अंश 27.38% से गिरकर 21.02% आ गया है। घरेलू उद्योग के बाजार अंश में गिरावट और थाइलैंड में वृद्धि घरेलू उद्योग के निष्पादन पर नकारात्मक प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

- ii. **लाभप्रदता :** नीचे दी गई तालिका से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के पाठित और क्षतिकारी प्रभावों के कारण जांच की अवधि में हानि हुई है। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग में सिंगापुर, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद सुधार आना शुरू हो गया है। तथापि, थाइलैंड से पाठित आयातों से इस प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और घरेलू उद्योग को पुनः हानि होनी शुरू हो गई है। इससे घरेलू उद्योग की कीमतों पर थाइलैंड से पाठित आयातों के क्षतिकारी प्रभाव का पता चलता है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
विक्रियों की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	103	108	107
विक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	120	113
लाभ/हानि	रु./मी. टन	***	***	***	***
हानि की प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-100	68	30	-33
लाभ/हानि	रु./मी. टन	***	***	***	***
लाभ/हानि	सूचीबद्ध	-100	68	35	-36

- iii. **उत्पादन और क्षमता उपयोग :** निम्नलिखित तालिका से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग की समग्र क्षमता उपयोग में 2014-15 तक वृद्धि हुई है लेकिन जांच की अवधि में गिरावट आई है। यह भी नोट किया जाए कि मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग पूर्व वर्षों के स्तर पर अपना क्षमता उपयोग बनाए रखने में समर्थ नहीं रहे। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के पास बढ़ती मांग की पूर्ति के लिए पर्याप्त क्षमता शेष है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
कुल क्षमता	मी. टन	50000	50000	50000	50000
कुल उत्पादन	मी. टन	32044	34403	43569	39246
विचाराधीन उत्पाद का कुल उत्पादन	मी. टन	13987	13812	17023	15092
कुल क्षमता उपयोग	%	64%	69%	87%	78%

- iv. **विचाराधीन उत्पाद की विक्री मात्रा और इसका मूल्य :** नीचे दी गई तालिका से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग के विचाराधीन उत्पाद की विक्री मात्रा में 2014-15 तक वृद्धि हुई है और उसके बाद बाजार बढ़ने के बावजूद गिरावट हुई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को कीमत के संबंध में समस्या का सामना करना पड़ा है।

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
विक्री	मी. टन	13451	13471	15890	14688
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	118	109
विक्री मूल्य	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	117	120	113

v. वस्तु सूची : संबद्ध वस्तुओं की वस्तु सूची के संबंध में आंकड़े नीचे तालिका में दिए गए हैं :

विवरण	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
औसत वस्तु सूची	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	66	68

उपरोक्त तालिका से यह नोट किया जाता है कि न्यून वस्तुएं मौजूद हैं। तथापि, जांच की अवधि के दौरान औसतन स्टॉक में कमी आई है।

vi. रोजगार और मजदूरी : रोजगार और मजदूरी के संबंध में स्थिति नीचे दी गई है :

	यूनिट	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि
रोजगार	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
वेतन/रोजगार	रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	98	87	86
उत्पादन	मी. टन	13987	13812	17023	15092
उत्पादन/कर्मचारी	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	122	108

vii. उत्पादकता : उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में उत्पादकता में क्षति जांच की अवधि के दौरान सुधार आया है।

viii. पाटन की मात्रा : पाटन की मात्रा इस बात का संकेतक है कि पाटित आयात घरेलू उद्योग को किस सीमा तक हानि पहुँचा सकते हैं, जो यह दर्शाता है कि थाइलैंड के लिए निर्धारित पाटित मार्जिन न्यून से अधिक है और पर्याप्त है। प्राधिकारी ने इन जांच परिणामों के भाग के रूप में यह निर्धारण किया है कि सहयोगी निर्यातक का पाटन मार्जिन 10% से 20% के बीच है, जो पर्याप्त है।

ix. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक : थाइलैंड से आयात कीमतों को ध्यान में रखते हुए, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पद्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य कारक, जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। यह दर्शाते हैं कि थाइलैंड से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की घरेलू कीमत विक्री और गैर-क्षतिकारी कीमत से काफी कम है जिससे भारतीय बाजार में काफी कीमत कटौती और कम कीमत पर विक्री हो रही है। उत्पाद के लिए मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाई गई है और इसीलिए घरेलू उद्योग के समक्ष आ रही कीमत नियंत्रण और कीमत कटौती की समस्या के लिए जिम्मेदार एक कारक नहीं है। अतः यह स्पष्ट है कि थाइलैंड से पाटित वस्तुएं घरेलू उद्योग की कीमत नियंत्रण व कीमत कटौती के लिए जिम्मेदार हैं।

x. वृद्धि : विक्री, उत्पादन, लाभ, नकदी लाभ में जांच की अवधि तथा आरओआई के दौरान घरेलू उद्योग को नकारात्मक वृद्धि हुई है।

इ. सामग्री क्षति पर निष्कर्ष

55. क्षति के विभिन्न पहलुओं व आयातों की मात्रा और आयातों की कीमत से संबंधित प्रभाव की जांच से यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति हुई है। जांच की अवधि के दौरान थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा में वृद्धि पूर्ण रूप से तथा कुल आयातों, घरेलू उत्पादन और देश में कुल मांग के संदर्भ में वृद्धि हुई है। अन्य मात्रात्मक मानदंड जैसे विक्री, उत्पादन और घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण मात्रात्मक क्षति का सामना करना पड़ा है। थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कीमत संबंधी प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त

कटौती हो रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण कीमत में गिरावट का सामना करना पड़ा है। घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से विचाराधीन आयातों के कारण कीमत कटौती का भी सामना करना पड़ रहा है क्योंकि संबद्ध वस्तुओं की विक्री कीमत में जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुसार वृद्धि नहीं हुई है। इस प्रकार, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को जांच की अवधि के दौरान भारी क्षति हुई है।

अ. अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

56. घरेलू उद्योग की कीमतों पर इसके कीमत कटौती, कम कीमत पर विक्री तथा कीमत नियंत्रण और कीमत कटौती प्रभावों के संदर्भ में सामग्री क्षति की मौजूदगी, मात्रा और पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभावों की जांच करते हुए प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए भारतीय पाटनरोधी नियमावली और पाटनरोधी करार के तहत सूचीबद्ध अन्य सूचक मानदंडों की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग की क्षति में योगदान हुआ है।

(क) तृतीय पक्ष के देशों से आयातों की मात्रा और कीमत

57. थाइलैंड के अलावा और ऐसे देशों, जहां जांच की अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क लगाए गए हैं, प्रत्येक देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात कुल आयातों के 3% से कम है। नीचे दी गई तालिका से यह स्पष्ट है कि अन्य देशों से आयात की कीमतें थाइलैंड से आयात कीमतों से अधिक थीं।

	2012-13		2013-14		2014-15		जांच की अवधि	
	मात्रा (मी. टन)	सीआईएफ (रु./मी. टन)	मात्रा (मी. टन)	सीआईएफ (रु./मी. टन)	मात्रा (मी. टन)	सीआईएफ (रु./मी. टन)	मात्रा (मी. टन)	सीआईएफ (रु./मी. टन)
थाइलैंड	93	108959	1507	129057	1738	135488	10027	113235
पाटनरोधी शुल्कों वाले देश								
ऑस्ट्रेलिया	1378	101033	34	125373	-	-	-	-
यूरोपीय संघ	5733	104219	306	135450	1022	110803	1239	112548
सिंगापुर	36246	103144	41350	123355	35657	133420	40114	121762
पाटनरोधी शुल्क वाले कुल देश	43357	103219	41689	123445	36679	132790	41353	121486
अन्य देश	1449	132401	155	151796	3320	130349	3301	127716
ब्राजील	-	-	-	-	1749	132328	1229	133882
जापान	-	-	-	-	32	128064	832	122288
यूएसए	285	125810	-	-	1523	127896	1036	126859
अन्य	1164	134018	155	151796	17	150437	203	117028
कुल	44899	104173	43352	123741	41738	132708	54680	120349

(ख) मांग में कमी और खपत की पद्धति में परिवर्तन

58. समूची क्षति अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद की मांग में निरंतर वृद्धि हुई है। अतः मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।

(ग) प्रौद्योगिकी में विकास

59. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है। अतः प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को क्षति होने का एक कारक नहीं है।

(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंध प्रक्रियाएं और प्रतिस्पर्द्ध

60. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंध प्रथा नहीं है, जिसने कि घरेलू उद्योग की क्षति में योगदान दिया है, क्योंकि कच्चा माल और संबद्ध वस्तुएं देश में आसानी से आयात की जा सकती हैं।

(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

61. घरेलू उद्योग ने क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की कुछ मात्रा का निर्यात किया है। तथापि, केवल घरेलू निष्पादन पर क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए विचार किया गया है। अतः निर्यात बाजार में निष्पादन से वर्तमान क्षति विश्लेषण किस भी तरह से प्रभावित नहीं हुआ है।

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

62. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उत्पादकता में क्षति जांच की अवधि के दौरान सुधार हुआ है।
63. इस प्रकार यह नोट किया गया है कि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक यह नहीं दर्शते कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों के कारण क्षति का सामना किया है। किसी भी इच्छुक पक्षकार ने यह सुझाव देने के लिए कोई साक्ष्य भी नहीं प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग को हुई सामग्री क्षति अन्य ज्ञात कारकों के लिए जिम्मेदार है। दूसरी ओर, निम्नलिखित मापदंड यह दर्शते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण से हुई है :
- क. थाइलैंड से संबद्ध वस्तुओं को आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त रूप से कटौती हो रही थी। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग अपनी कीमतों में वृद्धि करने में समर्थ नहीं था। वास्तव में, घरेलू उद्योग में जांच की अवधि के दौरान अपनी कीमतें लागत में गिरावट से भी अधिक कम करनी पड़ी थी। घरेलू उद्योग की कीमत कटौती और कीमत नियंत्रण प्राथमिक रूप से थाइलैंड से उत्पाद के पाटित आयातों के कारण से है।
- ख. घरेलू उद्योग की कीमतों पर दबाव के कारण जांच की अवधि के दौरान लाभप्रदता और निवेश पर प्रतिफल का काफी नुकसान हुआ। लागत से अधिक कम कीमत होने से घरेलू उद्योग को वित्तीय निष्पादन में पर्याप्त हानि हुई है।
- ग. घरेलू उद्योग का निष्पादन भी जांच की अवधि में कम नकदी प्रवाह और वस्तु सूची बढ़ने के संदर्भ में प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ था।
64. अतः यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घरेलू उद्योग को थाइलैंड से पाटित आयातों के कारण सामग्री क्षति का सामना करना पड़ा है।

ट. क्षति मार्जिन की मात्रा

क्षति मार्जिन

65. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की गैर-क्षति कीमत की जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए थाइलैंड से निर्यातों के पहुँच मूल्य से तुलना की गई है। निर्धारित क्षति मार्जिन इस प्रकार है :

थाइलैंड	यूनिट	आईआरपीसी/आईआरपीसी पीसीसी भारित औसत	अन्य
सीआईएफ मूल्य	यूएस डॉलर/मी. टन	***	***
मूल्यांकित मूल्य	यूएस डॉलर/मी. टन	***	***
पहुँच मूल्य	यूएस डॉलर/मी. टन	***	***
पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	***	***
गैर-क्षति कीमत	रु./मी. टन	***	***
क्षति मार्जिन	रु./मी. टन	***	***
क्षति मार्जिन	%	***	***
क्षति मार्जिन	रेंज	(10) - 0	5 - 15
विनिमय दर : 1 यूएस डॉलर = 64.11 रु.			

ठ. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

66. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्द्धा में पाटनरोधी उपाय करने से कमी नहीं आएगी। दूसरी ओर पाटनरोधी उपाय किए जाने से पाटन की प्रक्रियाओं में प्राप्त अनुचित लाभ हटेगा, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक चयन की उपलब्धता में मदद मिलेगी। पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं के कारण घरेलू उद्योग क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और स्वच्छ प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित हो सके, जो

कि देश के सामान्य हित में है। अतः पाटनरोधी शुल्क लगाने से उपभोक्ताओं की उत्पाद उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय करने से थाइलैंड से आयातों पर किसी भी तरीके से प्रभाव नहीं पड़ेगा और इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के विविध स्रोतों को रख सकेंगे।

(ड) हितबद्ध पक्षकरों द्वारा पश्चःप्रकटीकरण विवरण अनुरोध

ड1. विरोधी हितबद्ध पक्षकरों द्वारा पश्चःप्रकटीकरण विवरण अनुरोध

आईआरपीसी और आईआरपीसी पीसीसी द्वारा पश्चःप्रकटीकरण अनुरोध

67. आईआरपीसी और आईआरपीसी पीसीसी कंपनी ने प्राधिकारी को यह पुष्टि करने के लिए अनुरोध किया है कि उनके द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुएं घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।

डीओडब्ल्यू केमिकल थाईलैण्ड का पश्चःप्रकटीकरण अनुरोध

68. मैसर्स डीओडब्ल्यू केमिकल्स ने अपने पुराने अनुरोध दोहराने के अतिरिक्त प्रकटीकरण विवरण पर अपनी टिप्पणियों में निम्नलिखित कहा है :

- क. कि उन्होंने सिंगापुर से अपनी निर्यातों के संबंध में सभी सूचना उपलब्ध कराई है और प्राधिकारी से कुछ भी नहीं छिपाया है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने कभी भी डीओडब्ल्यू केमिकल्स सिंगापुर के उत्तर प्रस्तुत करने के लिए उन्हें अनुदेश नहीं दिए हैं।
- ख. कि उन्होंने 28 दिसंबर, 2016 को सिंगापुर के जरिए डीओडब्ल्यू थाईलैण्ड के सीधे निर्यात तथा डीओडब्ल्यू थाईलैण्ड के निर्यात का उल्लेख करते हुए सभी बीजक स्वैच्छिक रूप से प्रस्तुत किए हैं।
- ग. कि प्राधिकारी ने उन्हें डीजी सिस्टम डाटा उपलब्ध नहीं कराए हैं। वह इस विषय पर उपलब्ध निर्णय के विरुद्ध है।
- घ. प्राधिकारी ने वैयक्तिक पाटन मार्जिन और उनके लिए क्षति मार्जिन के दावे गलती से अस्वीकृत किए हैं। इसके अतिरिक्त सामान्य मूल्य के उनके दावे अस्वीकृत नहीं किए जा सकते। उन्होंने डब्ल्यूटीओ जाच परिणामों में विश्वास दर्शाया है और डब्ल्यूटीओ में भारतीय पक्ष रखा है।
- इ. कि प्राधिकारी ने एनआईपी की गणना गलत की है और घरेलू उद्योग के निजी विद्युत संयंत्र के कारण समायोजन उपयुक्त ढंग से नहीं किया है।
- ज. प्राधिकारी ने क्षति विश्लेषण सही ढंग से नहीं किया है और उन पर पुनः विचार किए जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा अपने एनआईपी से नीचे श्रीलंका को किए गए निर्यात के प्रभाव का विश्लेषण करने में विफल रहा है।

मैसर्स शीला फोम का पश्चःप्रकटीकरण अनुरोध

69. मैसर्स शीला फोम ने अपने पश्चःप्रकटीकरण अनुरोध में निम्नलिखित कहा है :

- क. प्रकटीकरण जांच के दौरान उनके द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल नहीं करता है उन्होंने आगे थाईलैण्ड से संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने पर आपत्ति की है क्योंकि घरेलू उद्योग के पास भारत में मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है।
- ख. उन्होंने आगे कहा है कि विभाग को पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग अपने लाभ को अधिकतम करते समय फोम विनिर्माताओं को प्रभावित करेगा।
- ग. थाइलैण्ड पर शुल्क सिंगापुर पर लगाए गए शुल्क से अधिक नहीं होना चाहिए क्योंकि दोनों स्रोतों की कीमत समान हैं। उन्होंने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया है कि थाईलैण्ड से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाएं।

ड2 घरेलू उद्योग का पश्चःप्रकटीकरण अनुरोध

70. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए पश्चःप्रकटीकरण विवरण अनुरोधों का सार निम्नलिखित है:

- क. कि प्राधिकारी ने मैसर्स डीओडब्ल्यू कैमिकल को अपना मामला प्रमाणित करने के लिए कई अवसर प्रदान किए हैं जोकि अप्रत्याशित हैं। वे अब भी आधारभूत सूचना उपलब्ध कराने में विफल रहे हैं और इसलिए उन्हें असहयोगी माना जाना चाहिए। इस मामले में प्राधिकारी का प्रस्तावित दृष्टिकोण एफएसपी, एल्यूमीनियम रोड ब्हील्स, सोलर पैनल, यूएसबी, आदि की हाल ही की जांच में प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप है जिसमें निर्यातिकों की प्रश्नावली के उत्तर पीओआई के दौरान भारत को निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं की विक्री के दावे और उत्पादन की पूरी सूचना नहीं होने के कारण अस्वीकृत कर दिए गए हैं।

ख. उपरोक्त के पूर्वाग्रह के बिना घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि सीआर कॉल और सैक्चरिन से संबंधित पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी द्वारा धारित अनुसार निर्धारित तारीख (विशेष रूप से सुनवाई पश्चात अनुरोध) के बाद पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किसी नई सूचना/दस्तावेज पर विचार नहीं किया जा सकता।

ड 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

71. प्राधिकारी ने निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग के उपरोक्त तर्कों की जांच की है। यह नोट किया गया कि कुछ अनुरोध पुनरावृत्ति स्वरूप के हैं और संगत एवं आवश्यक समझे जाने की सीमा तक पूर्ववर्ती प्रकटीकरण विवरण में प्राधिकारी द्वारा उन पर पहले ही विचार कर लिया गया है। तथापि, संगत माने गए अनुरोध नीचे दिए अनुसार अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में पुनः विचार किए जा रहे हैं:

- क. अंतिम जांच परिणामों में प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणामों की पुष्टि करने के लिए आईआरपीसी/आईआरपीसी पीसीसी के अनुरोधों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि तथापि आईआरपीसी तथा आईआरपीसी पीसीसी से निर्यात पाटित है परंतु भारत में संबद्ध वस्तुओं का उत्तराई मूल्य गैर-क्षति कीमत से अधिक है और इसलिए उनके आयात ने जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं की है। आगे यह नोट किया गया कि चूंकि भारत कम शुल्क नियमावली का पालन करता है इसलिए आईआरपीसी और आईआरपीसी पीसीसी पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगेगा।
- ख. डीओडब्ल्यू कैमिकल थाईलैण्ड के संबंध में उन्होंने भारत को संपूर्ण निर्यात रिपोर्ट किया है और उन्हें वैयक्तिक पाटन मार्जिन दिया जाना चाहिए। इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि डीओडब्ल्यू कैमिकल ने अपने उत्तरों की प्रस्तावित अस्वीकृति के संबंध में कोई अतिरिक्त तर्क नहीं दिया है। इन जांच परिणामों में इस मुद्दे पर उपयुक्त स्थानों पर पहले ही विचार किया जा चुका है।
- ग. डीओडब्ल्यू कैमिकल के इस अनुरोध के संबंध में कि उनका सामान्य मूल्य डब्ल्यूटीओ में भारत के पक्ष के अनुसार तथा डीजीएडी द्वारा जांच की जा रही पद्धति और विश्व में अन्य शासन पद्धतियों द्वारा अपनाई जा रही प्रक्रियाएं स्वीकार की जानी चाहिए। यह नोट किया गया है कि डीओडब्ल्यू कैमिकल के उत्तरों को प्राधिकारी ने अस्वीकृत कर दिया है और उन्हें गैर सहयोगी माना है इसलिए सामान्य मूल्य निर्यात कीमत अथवा उत्तराई मूल्य से संबंधित उनके आकड़ों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।
- घ. शीला फोम के इस अनुरोध के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश सिंगापुर से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातक का अनुरोध किसी आर्थिक अथवा कानूनी आधार पर आधारित नहीं है। किसी देश पर पाटनरोधी शुल्क इस तथ्य पर आधारित है कि नियमावली में उल्लिखित सिद्धांत की प्रयोज्यता पर आधारित है। इसके अतिरिक्त प्रयोक्ता उद्योग के हित के संबंध में यह नोट किया गया है कि कम शुल्क नियमावली की प्रयोज्यता प्रयोक्ता उद्योग के हितों की उपयुक्त ढंग से सुरक्षा करने के लिए लागू है।
- ड. शीला फोम द्वारा पुनः दोहराए गए अन्य मुद्दों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन पर इस जांच परिणाम के संबंधित पैराओं में विचार किया गया है और स्थापित प्रक्रिया और कानूनों के प्रावधनों के अनुसार उन पर विचार किया गया है।

ड. निष्कर्ष

72. प्रतिवादी पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच करने और उनमें उठाए गए मामलों की जांच करने तथा रिकाई में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि विचाराधीन उत्पाद भारत को थाइलैण्ड से इसकी संबद्ध सामान्य मूल्य पर निर्यात किया गया है, इस प्रकार इससे उत्पाद का पाटन हुआ है। घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं के संबंध में सामग्री क्षति का सामना करना पड़ा है। सामग्री क्षति थाइलैण्ड से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ण. सिफारिशें

73. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच प्रारंभ की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित कर दिया गया था तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति और उनके कारणात्मक संबंध के बारे में जांच प्रारंभ करके और जांच पूरी करके तथा घरेलू उद्योग को ऐसे पाटित आयातों से हुई सकारात्मक पाटन मार्जिन व सामग्री क्षति को प्रमाणित करते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना पाटन और परिणामी क्षति समाप्त करने के लिए आवश्यक है। अतः प्राधिकारी यहां निर्धारित तरीके और ढंग से थाइलैण्ड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।
74. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के समान निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को क्षति दूर की जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई तालिका में विनिर्दिष्ट राशि के अनुसार थाइलैण्ड के मूल की और वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर, केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तारीख से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्षक/उप-शीर्षक	कार्यों का विवरण	मूल देश	निर्यात देश	उत्पादक निर्यातक	उत्पादक निर्यातक	राशि	मापन की यूनिट	करेंसी
1.	3907.20	3000-4000 के अणु भार के फ्लैक्सिबल स्लेव स्टॉक पोलियोल	थाइलैंड	थाइलैंड	आईआरपीसी पोलियोल कंपनी	आईआरपीसी पोलियोल कंपनी	Nil	मी. टन	यूएस डॉलर
2.	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-	आईआरपीसी पोलियोल कंपनी	आईआरपीसी पीसीसी पोलियोल कंपनी	Nil	मी. टन	यूएस डॉलर
3.	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-	क्र सं. 1 और 2 के अलावा कोई अन्य संयोजन	क्र सं. 1 और 2 के अलावा कोई अन्य संयोजन	135.40	मी. टन	यूएस डॉलर
4.	-वही-	-वही-	-वही-	अन्य देश एंटी डंपिंग ड्यूटी को आकर्षित नहीं करता	कोई अन्य	कोई अन्य	135.40	मी. टन	यूएस डॉलर
5.	-वही-	-वही-	अन्य देश एंटी डंपिंग ड्यूटी को आकर्षित नहीं करता	थाइलैंड	कोई अन्य	कोई अन्य	135.40	मी. टन	यूएस डॉलर

75. इस अधिसूचना के प्रयोजन से आयातों का पहुँच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के तहत सीमा शुल्क द्वारा यथा निर्धारित पहुँच मूल्य होगा और इसमें इस अधिनियम की धारा 3, 3क, 8व, 9 और 9क के तहत शुल्कों के अलावा सभी सीमा शुल्क शामिल होंगे।
76. इस अंतिम जांच परिणाम के कारण से केंद्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई भी अपील सीमा शुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा शुल्क अपील न्यायाधिकरण के समक्ष की जा सकेगी।

डॉ. इंद्र जीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st February, 2017

Final findings

Sub: Anti-Dumping Investigation concerning import of “Flexible Slabstock Polyol” originating in or exported from Thailand

No.14/34/2015-DGAD.—1. Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD Rules or the Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) received a written application under the Rules from M/s Manali Petrochemicals Ltd., (hereinafter also referred to as the petitioner or the applicant) alleging dumping of “Flexible Slabstock Polyol” (hereinafter referred to as FSP or the subject goods) originating in or exported from Thailand (hereinafter referred to as the subject country).

2. Whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 24th February, 2016 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from Thailand, in

accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to consider recommendation of the anti-dumping duty.

A. PROCEDURE

3. The following Procedure has been followed with regard to this investigation:
 - i. The Authority notified the subject country through its Embassy in India about the receipt of application alleging dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Anti-dumping Rules.
 - ii. The Authority issued a public notice dated February 24, 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from Thailand.
 - iii. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters and other interested parties (whose details were made available by the domestic industry and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the Anti-dumping Rules.
 - iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters of the subject goods in India in accordance with Rule 6(3) of the Anti-dumping Rules. A copy of the Application was also made available other interested parties, upon request.
 - v. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in Thailand in accordance with Rule 6(4) of the Antidumping Rules:
 - a. M/s IRPC Polyol Company Limited Petrochemical Business
 - b. M/s Dow Chemical Thailand
 - vi. Responses to the questionnaire were filed by the following:
 - a. M/s IRPC Polyol Company Limited Thailand
 - b. M/s IRPC- PCC Polyol Company Limited Thailand
 - c. M/s Dow Chemical Thailand
 - vii. Importer questionnaires were sent to the following known importers/users and user association of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:
 - a. M/S Sheela Foam P Ltd
 - b. M/S Prime Comforts
 - c. M/S M H Polymers P Ltd
 - d. M/S Somany Foam Ltd
 - e. M/S Tirupati Foam Ltd
 - f. M/S Dura Puf
 - g. M/S Shree Singhal Foams P Ltd
 - h. M/S Multiwyn Foams P Ltd
 - i. M/S Shree Malani Foams P Ltd
 - j. M/S Joy Foam Pvt Ltd
 - k. Indian Polyurethane Association
 - viii. Responses to the questionnaire were filed by the following importers:
 - a. M/s Sheela Foam P Ltd
 - b. M/s Dow Chemical International Pvt. Limited
 - ix. It is also noted that following interested parties have also filed the submissions during the course of the investigation.
 - a. Indian Polyurethane Association,
 - b. Associated Chambers of Commerce and Industry of India,
 - c. Allied Foams Private Limited,

- x. It is noted that the above mentioned interested parties had filed their legal submissions. However, they have not filed importers questionnaire response.
- xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and DG Systems to arrange details of imports of the subject goods for the period of investigation and preceding three years.
- xiii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.
- xiv. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xv. On the spot verification of the information provided by the petitioner was conducted by the Authority. Only such verified information is relied upon for the purposes of this disclosure statement. The Authority had made necessary verification of the data submitted by the producer / exporter from Thailand namely M/s IRPC Polyol Company Limited and M/s IRPC-PCC Polyol Company Limited.
- xvi. The relevant appendixes of the exporters questionnaire response submitted by M/s Dow Chemical Thailand referred to 8152 MT of its exports to India. However, this information did not explicitly mention anything about routing of a few transactions through Dow Chemical Singapore. Further no break-up of direct exports or that routed through related entities has been furnished. However, the Authority observed that the Customs import data obtained from DG Systems shows exports by DOW Chemical Thailand through DOW Chemical Singapore and DOW Corning Singapore also. A deficiency letter dated 15.6.2016 was issued to DOW Chemical Thailand seeking clarification about complete information / response with respect to exports made by entities from Singapore.
- xvii. In their reply dated 29.6.2016, DOW Chemical Thailand inter alia stated that DOW Chemical Pacific (Singapore) Pvt. Ltd. is merely an invoicing entity of DOW Thailand. Only the invoices to customers were routed via DOW Singapore while the actual physical exports of goods were made from Thailand by DOW Thailand. However, no further details of quantities of exports made through Singapore entities were provided. Further, no break-up of exports through various channels was also indicated.
- xviii. It is observed that the information provided by DG Systems shows that DOW Chemical Singapore had exported subject goods from other countries also to India in addition to Dow Chemical Thailand.
- xix. Pursuant to further requests, DOW Chemical Thailand provided copies of invoices of 8152 MT of their exports to India vide their letter dated 28.12.2016. These invoices also included the invoices for exports routed through DOW Singapore. However, no break-up details of exports through various channels was submitted.
- xx. Since DOW Chemical Singapore is a related entity of DOW Chemical Thailand and in view of the Authority's finding from the import data of DG System that DOW Chemical Singapore has also exported the subject goods originating from other countries, the exporter was again reminded vide email dated 3.1.2017 that the exporter questionnaire response from Dow Chemical Singapore has not been filed with the Authority despite a specific email dated 15.6.2016 from the DGAD. The reply dated 06.01.2017 from DOW Chemical again neither provided any response from DOW Chemical Singapore nor any break-up of exports through various channels. Therefore, the Authority did not consider it necessary to verify the incomplete information filed by M/s Dow Chemical Thailand. Moreover, they have also failed to adhere to the specific instructions of the Authority.
- xxi. It is further noted that the Authority provided one more opportunity to DOW Chemical Thailand on 10.2.2017 on their specific request to substantiate their claim. However, the Dow Chemical did not supplement anything to their earlier submissions.
- xxii. After the aforesaid meeting, the company has sent yet another e-mail dated 12-02-2017 inter-alia reiterating that Dow Singapore is merely the invoicing entity of DOW Chemical Thailand. It further states that the information including but not limited to invoices drawn up by DOW Singapore for export of subject goods to India is also available with the Hon'ble Authority, which can be duly verified. It further states that the response filed by Dow Thailand provides the complete chain of exports to India and is in consonance with the practice as is followed by

the Hon'ble Authority in conduct of investigations. It is submitted in this regard that no details regarding quantitative exports and their value etc. for different channels of export are available in the records submitted by the company. Further, DOW Chemical Singapore is a separate legal entity having its own books of accounts. Further, DOW Chemicals Singapore is a related entity of DOW Chemical's Thailand. In the present investigation DOW Chemicals Singapore has failed to participate and provide necessary information with regard to the details of purchase price, SGA and other expenses incurred by related entity which are necessary for calculating net ex-factory export price. Since the complete details were not on record and export chain is not complete, the Authority is unable to determine ex-factory export price and landed value for Dow Chemicals Thailand.

- xxiii. Investigation was carried out for the period starting from 1st October 2014 to 30th September 2015 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the period from April 2012-March 2013, April 2013-March 2014, April 2014-March 2015 and the POI.
- xxiv. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 13.2.2017. The post Disclosure Statement submissions received, have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- xxv. The submissions made by the interested parties to the extent considered relevant by the Authority have been addressed in this disclosure statement.
- xxvi. *** in this disclosure statement represents information furnished by the interested parties on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxvii. The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =Rs 64.11

B. Product Under Consideration and Like Article

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 4. None of the exporters, importers or consumers has offered any views with regard to product under consideration.

Views of the Domestic Industry

- 5. The product under consideration in the present investigation is Flexible Slabstock Polyol, a polymer, originating in or exported from Thailand. The subject product is a clear viscous liquid of molecular weight 3000-4000, manufactured by polymerization of propylene oxide and ethylene oxide with a triol chain starter.
- 6. It is a polyether and on reaction with catalysts and additives yields polyurethane foams used in upholstery, mattresses, pillows, bolsters, transport seating and packaging. Flexible Slabstock Polyol is transported in tankers or stored in steel drums.
- 7. Flexible Slabstock Polyol is classified under the category ‘Plastics and articles thereof’ in Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975 and further under 3907.20 as per International Trade Classification. The classification, however, is only indicative and in no way binding on the scope of the present investigation.
- 8. There is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from Thailand. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from Thailand are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods.

Examination of the Authority

- 9. There are no submissions made by the producers / exporters / importers / other interested parties during the course of the present investigation with regard to the scope of PUC. Based on the information submitted by the Domestic Industry and the examination of the material on record, the Authority confirms the product under consideration as “Flexible Slabstock Polyol of molecular weight 3000-4000”.
- 10. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules provides as under:
“like article” means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.”
- 11. The Authority notes that there is no known difference in product under consideration produced by the Indian industry and exported from Thailand. Product under consideration produced by the Indian industry and imported from Thailand are comparable in terms of characteristics such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from Thailand within the scope and meaning of Rule 2(d) of anti-dumping Rules.

C. Domestic Industry and Standing

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

12. None of the exporters, importers, association or consumers has offered any views with regard to standing or their eligibility of the Domestic Industry.

Views of the Domestic Industry

13. The domestic industry submitted that as per the information available with them, they are the only producer commercially producing the subject goods during the period of investigation and accounts for around 95% of the total production of the subject goods in India. It was further submitted that besides Domestic Industry, there is one more producer of the subject goods namely, M/s Expanded Polymers Limited, who are producing the subject goods. In view thereof, M/s Manali Petrochemicals accounts for a major proportion of the total domestic production in terms of Rule 2(b) as well as the clear standing in terms of Rule 5 of the Anti-dumping Rules.

Examination of the Authority

14. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under: -

“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

15. The Application has been filed by M/s Manali Petrochemicals Limited. As per the records available with the Authority, the petitioner accounts for major proportion of the product under consideration in the total domestic production in the period of investigation and, therefore, constitutes Domestic Industry as well satisfies the criterion of standing within the meaning of the Rules. The petitioner has certified that there are no imports of the product under consideration during POI by the petitioner or any of its related party within the meaning of Rule 2(b). The petitioner has also certified that it is not related to any of the exporters from the Thailand in terms of the Rules.
16. It is further noted that the other producer, namely M/s Expanded Polymers Limited had manufactured negligible quantities of the subject goods during the POI which accounts for a small percentage of the total production in the country. It is clear that the standing of the applicant shall not be affected as they would still account for major proportion of the total domestic production. Thus, the applicant satisfies the requirements of being considered as the “Domestic Industry” in terms of Rule 2(b) as well the ‘standing’ under Rule 5 of the AD Rules.

D. Confidentiality

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

17. The various submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- The petition suffers from excessive confidentiality. The petition provides absolutely no information with respect to petitioner's volume related information, policy regarding its distribution channels, commission / discount policy, credit terms, normal value calculation etc.
- The Domestic Industry has claimed and has been allowed excessive confidentiality in the sense that they have not made available their annual report in the public file.
- The Domestic Industry has claimed confidentiality on the costing information. It is submitted that the information submitted as part of costing information can easily be provided in indexed form so as to indicate a trend along with the petition.
- Petitioner has not disclosed material information relating to methodology used to refine the import data.

Submissions made by the domestic industry

18. The various submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- Petitioner has claimed confidentiality on information provided by them as allowed in rule 7 of the AD rules and a meaningful summary of such information were also provided. The claims of interested parties that the petitioner has claimed excessive confidentiality are baseless. It is also submitted by the Domestic Industry that they have provided sufficient information in the non-confidential version of the petition for the understanding of the interested party.

- ii. On the other hand, excessive confidentiality has been claimed by the exporters inasmuch as the non-confidential versions of the questionnaire response were not the exact replica of the confidential version filed by the exporters as required under the Rules and the instructions on the issue.
- iii. Information about related entities was kept confidential by Dow Chemical, IPCRC Polyol Company and IPCRC PCC Polyol Company. Moreover, they have kept the sales channel as confidential, which has significantly hampered the Domestic Industry to assist the Authority in the best possible manner.
- iv. Volume related information was also not disclosed by the exporters and same needs to be provided by them.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

19. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- i. With regard to confidentiality of information Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

- ii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. As regards the contention of the interested parties with regard to non-disclosure of the costing information, the Authority has consistently taken a view that costing and price-related information is confidential by its very nature and is not amenable to summarization. Therefore, the claim of the interested parties regarding excessive confidentiality by the Domestic Industry is not valid and hence rejected. On the other hand, the Authority observes that the Domestic Industry has vehemently contended that Dow Chemical Thailand and IRPC and IRPC PCC have not revealed certain basic information relating to their related entities. They have kept even the volume related information confidential. Most of the appendices in the questionnaire response have not been indexed which could provide a meaningful understanding to the concerned parties. However, the Authority has largely accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

E. Miscellaneous Submissions

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

20. The miscellaneous submissions made by the producers / exporters / importers /other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The application filed by the Domestic Industry is not in the form and manner prescribed by the Authority.
- ii. Any imposition of anti-dumping duty will cause injury to small manufacturers and the products made from Flexible foam. Further the protection to one industry is causing injury to 100's of manufactures of flexible poly urethane foam and will also make them uncompetitive.
- iii. The application filed by the domestic industry does not even meet the basic evidentiary standard of the Article 5.2 ADA.
- iv. Indian Polyurethane Association submitted that due to cheaper imports from Thailand, domestic producers are not able to utilize their capacity. Further, they submitted that Indian producers are also struggling due to inward duty structure and the fact that major propylene oxide producing entities are not providing the same to Indian producers.
- v. ASSOCHAM in their submissions advocated for the level playing field for both the producers and users of the

subject goods in India. They further submitted that the Indian industry lacks the technology and capacity to cater demand in India.

- vi. Due to the location disadvantage domestic industry is facing high logistic costs and therefore injury faced by them is on account of poor selection of location and not because of imports of subject goods.
- vii. Domestic industry is unable to achieve high capacity utilization due to lack of infrastructure to handle critical material like propylene oxide. This factor can also be seen from the various annual reports of the petitioner. Further, due to the moratorium ban domestic industry cannot increase their capacity.
- viii. It is further submitted by one of the importer that the domestic industry is not able to supply subject goods of adequate quality and consistency.
- ix. The increase in import volume is because of the positive effect of the ASEAN FTA. Therefore, the Authority should consider the fact while making any determination.
- x. The petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated.
- xi. There is huge demand supply gap and therefore, the current proceedings should be terminated.
- xii. Domestic industry is enjoying benefit of trade remedies since 1999 and therefore has adversely affected the downstream industry. It was further submitted that the Authority should not recommend duties this time.

Views of the Domestic Industry

21. The domestic industry during the course of the present investigations also raised certain issues and have also given comment on the miscellaneous submissions made by the interested parties, which are as follows:
 - i. Petition is filed as per the guidelines of the Authority by the domestic industry. Further, after being satisfied with the evidences provided by the domestic industry, the Authority has initiated the current investigation and therefore, the current proceedings are valid and justifiable as per current laws.
 - ii. Domestic Industry has provided complete details of selling price in the Proforma IV A and in the injury analysis. Therefore, mere non reproduction of the information at one place cannot be said as violation of any rule, particularly when the domestic industry has provided detailed injury analysis.
 - iii. The domestic industry can technically produce subject goods up to 50000 MT and there is no constrain in that, except low priced imports coming in the market from Thailand. It is further submitted by the domestic industry that they have advantage of using captively produced propylene oxide (PO) in the manufacturing of subject goods and that is the precise reason why they are still manufacturing subject goods on commercial basis, whereas the other producer is not able to produce subject goods on consistent basis. Moreover, domestic industry is also importing the PO for the balance of their requirement. Therefore, the domestic industry requested the Authority to reject the claims of the interested parties as they are devoid of any merit and contrary of the facts on record.
 - iv. Domestic Industry submitted that imposition of anti-dumping measures will only create level playing field between domestically produced goods and imported subject goods. Further, any levy will not impact user industry as subject goods from both the sources will be available to them at competitive rates.
 - v. Domestic industry submits that their quality is at par with the imported goods and only because of the low priced imports, user industry is buying imported subject goods. Domestic industry has ample idle capacity to fulfill the local demand.
 - vi. In relation to location or geographical disadvantages, domestic industry submits that these factors have no weightage in the anti-dumping investigation as all the expenses after ex-factory are not considered in any of the analysis. Therefore, the argument related to any freight and location disadvantage have no legal or factual basis and needs to be rejected.
 - vii. The domestic industry submitted that the history of the previous cases is of no legal or factual relevance to the fact of current proceedings. The Hon'ble Authority is required only to see whether a case for imposition of anti-dumping duties is made out in the facts and circumstances of the present case. It may be appreciated that the interested parties have referred to the details of previous investigations only with the intent to create a bias in the mind of the Authority. The Domestic Industry also submitted that if the exporters continue to indulge in dumping practice, then the domestic industry has no other option but to seek remedy under the laws of the land for appropriate relief. In view of the aforesaid, the domestic industry requested the Authority to reject the submissions made by interested parties in relation to history of product concerned.
 - viii. Domestic Industry further submitted that Dow Chemical has not reported its complete chain of exports and therefore there response needs to be rejected.

- ix. Domestic Industry submitted that even the Indian Polyurethane Association admitted increased imports from Thailand at lower prices clearly indicates the adverse impact of dumped and non-remunerative imports of subject goods from Thailand.

Examination by Authority

22. The various miscellaneous issues raised by the interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority, are examined herein below:

- a. As regards the argument of the opposite interested parties that the petition is deficient and therefore the investigation needs to be terminated, the Authority notes that the present investigation was initiated on the basis of *prima facie* evidence furnished by the domestic industry showing dumping, injury and causal link and justifying initiation of the investigation in accordance with the Act and Rules. The Authority has also called for additional information wherever required and verified the information furnished by the domestic industry.
- b. The information provided by the domestic industry has been verified and only verified information has been used for the final proceedings of the investigation. It is also noted that the Domestic Industry has provided complete costing of subject goods duly certified by the cost auditor and therefore, the apprehension of the interested parties relating to correctness is fully taken care of by the authority.
- c. As regards the submission of the interested parties that the increase in imports from Thailand is on account of the FTA, it is noted that the argument is of no consequence or relevance from the anti-dumping perspective. As per the anti-dumping rules, anti-dumping duty will only be imposed if the imports are dumped and are causing injury to the Domestic Industry. Therefore, the issues raised by the exporters /importers in relation to increase in imports due to FTA have no bearing in this investigation.
- d. In relation to the import data, it is noted that the Authority has used DGCI&S import data for analysis purpose and therefore, all the issues related to import data are taken care of.
- e. As already indicated in the paragraph 3 above regarding , the response of Dow Chemicals is liable to be rejected as they have failed to file exporter questionnaire response of all the related parties involved in the exports of subject goods to India. It is further noted that the Authority had provided many opportunities to Dow Chemical Thailand to submit their complete response of exports to India from all the channels of export. Further, it was the Authority which found that Dow Chemical has exported through their related entity in Singapore. Here, it is important to note that had the Authority not called for and analyzed the import data from DG System, these exports would have remained undetected as DGCI&S data does not provide exporter's name. The Authority is of the view that under-reporting or misreporting of exports by the exporter can have a direct impact on the calculation of the dumping margin and, therefore, has to be considered as a serious lapse on the part of the exporter. In view of the failure of DOW Chemical to file their responses in the prescribed manner and in view of the fact that the said exporter had under-reported their exports to India, the Authority is not in a position to consider them as cooperative for the purposes of this investigation.
- f. It is further noted that the Authority provided one more opportunity to Dow Chemical on 10.2.2017 on their specific request to substantiate their claim. However, the Dow Chemical could not substantiate their contention or add any new information. It is also important to note that DOW Chemical Singapore is a separate legal entity having its own books of accounts. Further, DOW Chemicals Singapore is also a related entity of DOW Chemicals Thailand. In the present investigation DOW Chemicals Singapore has failed to participate and to provide necessary information with regard to the details of purchase price, SGA and other expenses incurred which are necessary for calculating net ex-factory export price. Since the complete details were not on record and export chain is not complete, the authority is unable to determine ex-factory export price and landed value for DOW Chemicals Thailand.

NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F. Normal Value, Export Price and Dumping Margin

23. The submissions concerning normal value, export price and dumping margin made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:

- a. The Applicant Domestic Producer have sought to have an investigation initiated against the subject goods but have adduced no evidence in support of the same. In this connection, it is submitted that no investigation is tenable without the fulfillment of the basic evidentiary standards and therefore, the present investigation must be terminated immediately.
- b. The estimate of inland freight provided by domestic industry is also not supported by any evidence. The Applicant Domestic Producers have arbitrarily arrived at a set of figures to express its estimation of inland

freight. The application did not contain any evidence as to how the figure cited as inland freight was arrived at and what the relevant calculations are.

- c. The normal value and export price arrived by petitioner in its petition cannot be accepted as correct since petitioner has not made available any evidence to support their computations.
 - d. The adjustments made by the Applicants with respect to the export price are abnormally high and unsupported by any evidence. Therefore, the Authority should use correct adjustments while computing the export price.
24. The submissions made by the domestic industry concerning normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are as follows:
- a. The local consumption of subject goods in Thailand is very minuscule, which according to Domestic Industry could be less than the 5% of the total exports to India during the POI. In this context, Domestic Industry submitted that the domestic sales made by exporters from Thailand should be checked religiously. Moreover, sales which were ultimately exported outside Thailand, should not be considered as their local sales.
 - b. Domestic industry requested the Authority to reject the claim of individual dumping margin of the Dow Chemical as they have failed to fully cooperate in the investigation. The rejection will be in line with the consistent practice of the Hon'ble Authority. It is further submitted that the Authority has, in the recently concluded investigation of Cast Aluminum Alloy Wheels or Alloy Road Wheels, taken very strict view and rejected the response of the exporters because their value chain is not complete. In the Saccharin sunset review investigation, the Authority had rejected the response of one of the exporters only because their parent companies have not filed the complete exporters' questionnaire response. In view thereof, domestic industry requested that the Hon'ble Authority should follow the same principle in the instant case also. It is further submitted that any different approach will be contrary to the principles of natural justice.
 - c. Domestic Industry requested that Authority should grant separate dumping margin to both IRPC and IRPC PCC as both of them have filed separate exporter questionnaire response.

Examination by Authority

25. Under section 9A (1) (c) normal value in relation to an article means:
- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
 - (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or to an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);
26. The Authority sent questionnaires to the known exporters from Thailand advising them to provide information in the form and manner prescribed. However, barring the following producer and exporters, none of the other producer/exporter from Thailand has co-operated in this investigation by filing their Questionnaires' responses.
- a. M/s IRPC Thailand
 - b. M/s IRPC PCC Thailand
 - c. M/s Dow Chemical Thailand
27. Since the above-mentioned companies have filed the questionnaire response, the Authority has determined individual dumping margin in respect of IRPC and IRPC PCC. The Authority is not in a position to determine individual dumping margin for DOW Chemical Thailand for the reasons explained in the preceding paragraphs. Accordingly, they are treated as non-cooperative.

Normal value for IRPC Polyol Company Limited from Thailand

28. Based on the information furnished in the EQ responses, the Authority notes that IRPC Thailand is a producer of the subject goods and has exported the subject goods to India during the POI. It is also noted that during the latter part of the POI, IRPC Polyol Company Limited and PCC Rokita Co., Ltd. formed a new company with equal shareholding namely IRPC-PCC Company Limited. This IRPC-PCC Company Limited exported the subject goods to India from August, 2015. The Authority has first examined whether the total domestic sales of the subject goods by the

producers/exporters concerned in the subject country was representative when compared to their total sales of the subject goods to India. Thereafter, it was examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Rule 2 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. IRPC Polyol and IRPCC PCC Polyol have provided transaction wise details of sales made in home market. The same has been accepted by the Authority after examination and relied upon to determine the weighted average-selling price of the subject goods sold in the home market. For the determination of the ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned including SGA expenses of IRPC with reference to the records maintained by the producer/exporter. Further, all domestic sales transactions were examined with reference to the cost of production of the subject goods to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not.

29. From the domestic selling price, the adjustments have been claimed towards inland freight, packing cost and credit cost. All these adjustments have been allowed after examination on the basis of documents provided by IRPC. The ex-factory normal value for the subject goods is USD *** / KG. The same is also mentioned in the dumping margin table below.

Normal value in the case of other producers and exporters from Thailand

30. As there is no other co-operating producer of subject goods other than IRPC and IRPC PCC, the Normal Value determined for IRPC is has been adopted for other producers/exporters in Thailand also after making all suitable adjustments. The normal value adopted by the Authority is mentioned in the dumping margin table below.

Export Price in case of M/s IRPC Polyol Company Ltd and IRPC PCC Polyol Company

31. The Authority further notes that IRPC Polyol and IRPC PCC Polyol Company, Thailand have filed exporters' questionnaire response claiming export of the subject goods produced by IRPC Polyol Company Ltd.. After adjusting the CIF price for all post sales expenses including inland, ocean freight, insurance, bank charges and credit cost etc as claimed by the exporter and allowed by the authority. The net weighted average export price for IRPC and IRPC PCC Polyol at ex-works level works is determined as US\$ *** per KG.

Export Price in the case of other producers/exporters from Thailand

32. The export price for other producers/exporters in case of Thailand is determined on the basis of information available on record. The Authority made adjustments on account of commission, credit cost, bank charges, overseas freight, insurance, inland freight and port handling charges in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level determined is mentioned in the dumping margin table below.

DUMPING MARGIN

33. Considering the normal value and export price for subject goods as determined above, the dumping margin for the subject goods as a whole has been determined as follows. It is seen that the dumping margin for the subject goods is more than de-minimis and significant.

Exporter/Producer	Normal Value (US\$/KG)	Net Export Price (US\$/KG)	Dumping Margin		
			US\$/KG	%	Range
M/s IRPC Polyol Company Ltd. & IRPC PCC Polyol Company	***	***	***	***	10-20
Non-Co-operative producers/exporters	***	***	***	***	25-35

METHODOLOGY FOR INJURY ASSESSMENT AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties

34. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority
 - i. DGAD is required to examine the data of not only the petitioner company but also for the other domestic producers in the market. There is one more producer in the market. That being the case, DGAD should direct petitioners to submit information about the other producers or require other domestic producers to provide necessary information for the purposes of evaluating injury.

- ii. Import prices have increased during the injury period as compared to base year, therefore, the claim of the petitioner that the dumped and low priced imports are affecting the profitability and its inability to increase selling price has no merit. It is further submitted that there is no volume effect as well.
- iii. It is submitted that the domestic industry has not fulfilled the requirement with respect to Article 3.4 which mandates that 'actual and potential' decline in various factors be examined and established for a positive finding of injury.
- iv. The domestic industry has faced injury due to its incapability to expand its plant capacity and also in handling critical raw material and therefore, the injury cannot be said to be because of imports from Thailand.
- v. The domestic industry was able to sell 98-99% of the goods produced every year. In that case, inventories with the Applicant Domestic Producer should logically be very low, as opposed to the inflated inventory figures provided in the petition.
- vi. The domestic industry is alleging that imports of the subject good from Thailand is substantially high and is hampering the functioning of the domestic industry. However, it is to be noted that the domestic industry is only able to cater small percentage of the total demand on an average.

Views of the Domestic Industry

35. The following are the injury related submissions made by the domestic industry during the course of the present investigation and considered relevant by the Authority:
- i. Imports of the product under consideration have shown significant increase over the years with a significant increase in POI. Imports have also shown increase in relation to production and consumption in India;
 - ii. Market share of Thailand in demand is significant. Market share of the domestic industry has decreased in the POI as compared to the base year. The same is due to significant imports from the Thailand;
 - iii. With reduction in the prices by the foreign producers, the only choice available to the Indian producers is to either realign their prices with the changes in the import prices or to lose orders and hence the market share;
 - iv. Domestic industry prices, reflects the effect of the prices that are being offered by the importers in the domestic market;
 - v. Imported goods have been undercutting the prices of the domestic industry. Price undercutting in respect of the product under consideration is positive during the period of investigation;
 - vi. Inventories with the domestic industry increased in the POI as compared with the base year;
 - vii. Performance of the domestic industry has steeply deteriorated in terms of profits, return on investments and cash profits to a very significant extent.
 - viii. The decline in profitability of the domestic industry was due to significant increase in the import volume at non-remunerative prices from Thailand.
 - ix. The increase in selling price was lower than the increase in cost of production and thus the dumped imports are creating price suppression effect on the domestic industry.
 - x. As regards the submissions of interested parties that low quantum of imports and their impact of domestic industry, it is submitted that the imports from Thailand is above threshold limit of 3% and therefore, it would be wrong to say that imports are minuscule. Moreover, there value is below the cost and selling price of the domestic industry and thus caused injury. Therefore, the Domestic Industry requested the Authority to reject the claims made by the responding interested parties in relation to injury suffered by them.
 - xi. The domestic industry has suffered material injury in connection with dumping of subject goods from Thailand. Further, the domestic industry is threatened with continued injury, should the present condition continue.

Examination by the Authority

36. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or

whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

37. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

38. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties during the course of the present investigations and considered relevant by the Authority:
39. As regards the submissions that DGAD is required to examine the data of not only the petitioner company but also other domestic producers in the market, the authority notes that the petitioner company constitutes domestic industry under the Rules. Moreover, the production of other domestic producer is insignificant.
40. The Authority has computed the non-injurious price in accordance with Annexure 3 to the Anti-dumping Rules and the established practices of the DGAD.
41. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

E. Volume Effect of Dumped Imports

Import Volume and Market Share

42. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S Import data. The volume of imports of the subject good from Thailand have been analyzed as under:

Particulars	Units	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Thailand	MT	93	1507	1738	10027
Other Countries	MT	44806	41844	40000	44654
Total Imports Volume	MT	44899	43352	41738	54680
Domestic Industry Sales	MT	13451	13471	15890	14688
Other Domestic Producers Sale	MT	400	450	400	500
Total Domestic Sales	MT	13851	13921	16290	15188
Demand	MT	58750	57273	58028	69869
Market share in Imports					
Thailand	%	0.21%	3.48%	4.16%	18.34%
Other Countries	%	99.79%	96.52%	95.84%	81.66%
Market share in demand					
Thailand	%	0.16%	2.63%	3.00%	14.35%
Other Countries	%	76.27%	73.06%	68.93%	63.91%
Domestic Industry	%	22.90%	23.52%	27.38%	21.02%
Other Domestic Producers	%	0.68%	0.79%	0.69%	0.72%

43. It is noted from the above table that imports of the subject goods from Thailand have increased in absolute terms in POI as compared to the base year i.e., 2012-13. The imports from Thailand have gone up from 93 MT in the base year of 2012-13 to 10027 MT during the POI, which is an increase of more than 10650%.
44. The market share from Thailand in relation to the overall imports has also gone up significantly from mere 0.21% in the base year to 18.34% during the POI. The increase is significant. Similarly, the market share of Thailand in the total demand has also increased by more than 90 times i.e., from 0.16% to 14.35% during the same period. Thus, it is seen that the volumes from Thailand have increased very significantly in absolute terms as well as in relation to the imports and the overall demand in the country.

Price Effect of Imports

45. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price suppression and price depression, if any.

Evolution of Prices over the Period

46. In the injury period, average CIF prices of the imports originated in Thailand has been as under:

Thailand	Import Quantity	Import price (CIF)
Year	MT	Rs. /MT
2012-13	93	108959
2013-14	1507	129057
2014-15	1738	135488
POI	10027	113235

47. It is seen from the above table that the CIF import price of subject goods has increased until the year 2014-15 and decreased significantly thereafter in the POI, mainly due to lower export prices of DOW Chemical Thailand. This decline in prices coupled with increase in quantity has negative impact on the performance of the Domestic Industry. Detailed analysis has been done in the latter part of the injury analysis.

Price Undercutting

48. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry.

Thailand	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed price of imports	Rs./MT	110049	130348	136843	114367
Net Sales Realization	Rs./MT	***	***	***	***
Net Sales Realization	Index	100	117	120	113
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	%	***	***	***	***
Price Undercutting (%)	Range %	0-10	(10) - 0	(10) - 0	5-15

49. The Authority notes that the landed values of the subject goods during POI were much below the selling price of the domestic industry showing significant price undercutting being caused by the dumped imports from Thailand in the POI. Moreover, it is the claim of the Domestic Industry that their selling prices have declined essentially on account of the fact that they are forced to match their prices with the landed values of dumped imports. The Authority finds merit in the argument of the Domestic Industry as their performance became negative in the POI.

Price Suppression and Depression

50. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise

would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. Table below shows the factual position:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Landed Value of Imports	Rs./MT	110049	130348	136843	114367
Index	Indexed	100	118	124	104
Cost of Sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	108	107
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	120	113

It is also noted from the table above that the landed value of the subject goods from Thailand decreased significantly from Rs. 136843 per MT during 2014-15 to Rs. 114367 per MT during POI. This decline in landed value from Thailand has price suppression / depression impact on the Domestic Industry as their selling prices of the subject good in the domestic market has decreased more than the decreased in the cost.

Price Underselling

51. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from Thailand, as follows:

	Unit	Thailand
Landed price of imports	Rs./MT	114367
Non-Injurious Price	Rs./MT	***
Price Underselling	Rs./MT	***
Price Underselling (%)	%	***
Price Underselling (%)	Range %	5-15

52. It is noted from the above table that the domestic industry has suffered significant price underselling on account of imports of the subject goods from Thailand.

H. Economic Parameters of the Domestic Industry

53. Annexure II to the Anti-dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Anti-dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.

54. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below:

- i. **Market share:** The effect of the dumped imports on the domestic sales and the market share of the domestic industry has been examined as below:

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Domestic Industry sales	MT	13451	13471	15890	14688
Other Domestic Producer Sale	MT	400	450	400	500
Total Domestic Sales	MT	13851	13921	16290	15188
Imports from Thailand	MT	93	1507	1738	10027

Imports from Other Countries	MT	44806	41844	40000	44654
Total Imports	MT	44899	43352	41738	54680
Total Demand	MT	58750	57273	58028	69869
Trend	Index	100	97	99	119
Market Share					
% Share of Domestic Industry in Demand	%	22.90%	23.52%	27.38%	21.02%
% Share of Other Domestic Producer in Demand	%	0.68%	0.79%	0.69%	0.72%
% Share of Thailand in Demand	%	0.16%	2.63%	3.00%	14.35%
% Share of Other countries in Demand	%	76.27%	73.06%	68.93%	63.91%

From the above, it is noted that the market share of Thailand has increased substantially i.e., from 0.16% in the base year to 14.35% in the POI. It is also noted that the imports from Thailand has increased from 3% in the year 2014-15 to 14.35% in the POI, during the same period market share of Domestic Industry decreased from 27.38% during 2014-15 to 21.02% during POI. This decline in market share of Domestic Industry and increase in Thailand clearly shows the negative impact on the performance of Domestic Industry.

- ii. **Profitability:** It can be seen from the table below that the Domestic Industry suffered losses in the POI due to the dumped and injurious imports of subject goods from Thailand. It is further noted that the Domestic Industry started improving after anti-dumping duties were imposed on Singapore, EU and Australia. However, dumped imports from Thailand have adversely affected this process and the Domestic Industry again turned into losses. This clearly shows the injurious impact of dumped imports from Thailand on the prices of the Domestic Industry.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	108	107
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	120	113
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Trend of Losses	Indexed	-100	68	30	-33
Profit/Loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
Profit/Loss	Indexed	-100	68	35	-36

- iii. **Production and Capacity Utilization:** It can be seen from the following table that the overall capacity utilization of the Domestic Industry has increased till 2014-15 but declined in the POI. It may also be noted that despite increase in demand, Domestic Industry is not able to maintain their capacity utilization at the levels of previous years. It is also noted that there are significant idle capacity lying with the Domestic Industry to cater to the increasing demand.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Total Capacity	MT	50000	50000	50000	50000
Total Production	MT	32044	34403	43569	39246
Total PUC Production	MT	13987	13812	17023	15092
Total Capacity Utilization	%	64%	69%	87%	78%

- iv. **Sales Volumes of PUC and its Value:** It is seen from the table below that the sales volume of the PUC of the Domestic Industry has increased till 2014-15 and declined thereafter despite the increase in the market size. The Authority notes that the Domestic Industry has suffered on the price front.

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Sales	MT	13451	13471	15890	14688
Trend	Indexed	100	100	118	109
Sales Value	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	117	120	113

v. **Inventories:** The data relating to inventory of the subject goods is shown in the following table:

Particulars	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Average Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	66	68

It is noted from the above table that there is minimal inventory. However, the average stock during POI has declined.

vi. **Employment and Wages:** The position with regard to employment and wages is as follows:

	Unit	2012-13	2013-14	2014-15	POI
Employees	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	100	100	100
Wages/employee	Rs.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	87	86
Production	MT	13987	13812	17023	15092
Production/employee	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	99	122	108

vii. **Productivity:** It can be seen from the table above that productivity in terms of production per employee has improved over the injury investigation period.

viii. **Magnitude of Dumping:** It can be seen that dumping margin determined against Thailand is above de minimis and significant. The Authority has determined, as a part of these findings that the dumping margin of the cooperating exporter ranging from 10% to 20%, which is substantial.

ix. **Factors affecting domestic prices:** Considering the import prices from Thailand, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market show that the landed value of imported material from Thailand is significantly below the domestic selling price and non-injurious price of the domestic industry causing significant price undercutting and underselling in the Indian market. Demand for the product is showing an increasing trend and, therefore, could not have been a factor responsible for price depression and suppression faced by the domestic industry. It is thus evident that the dumped goods from Thailand are responsible for the depressed and suppressed prices of the domestic industry.

x. **Growth:** There is negative growth of the domestic industry during POI in terms of sales, production, profits, cash profit etc..

I. Conclusion on Material Injury

55. An examination of the various parameters of injury along with the volume and price effects of imports clearly reveals that material injury has been caused to the Domestic Industry during the period of investigation. There is an increase in the volume of imports of subject goods from Thailand during the injury investigation period in absolute terms as well as in relation to the total imports, domestic production and total demand in the country. Other volume parameters like sales, production and capacity utilization of the domestic industry also indicate that the domestic industry has suffered volume injury on account of dumped imports of subject goods from Thailand. With regard to price effect on account of imports of subject goods from Thailand, it is noted that imports of the subject goods from Thailand is significantly undercutting the prices of domestic industry. Further, the domestic industry has suffered price depression on account of imports of subject goods from subject country. The domestic industry has also suffered price suppression on account of imports of product under consideration from subject country as sales price of subject goods has not increased in line with increase in cost of production of subject goods during the injury

period. Thus, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation.

J. Other Known Factors & Causal Link

56. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting, underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Anti-Dumping Rules and Agreement on Anti-dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) Volume and prices of imports from third countries

57. Imports of the product under consideration from countries other than Thailand and countries already attracting anti-dumping duty in the POI is below 3% of the total imports. It is evidenced from the table below that the import prices from other countries were higher than import price from Thailand.

	2012-13		2013-14		2014-15		POI	
	Qty. (MT)	CIF (Rs/MT)	Qty. (MT)	CIF (Rs/MT)	Qty. (MT)	CIF (Rs/MT)	Qty. (MT)	CIF (Rs/MT)
Thailand	93	108959	1507	129057	1738	135488	10027	113235
Countries attracting anti-dumping duties								
Australia	1378	101033	34	125373	-	-	-	-
EU	5733	104219	306	135450	1022	110803	1239	112548
Singapore	36246	103144	41350	123355	35657	133420	40114	121762
Total countries attracting ADD	43357	103219	41689	123445	36679	132790	41353	121486
Others countries	1449	132401	155	151796	3320	130349	3301	127716
Brazil	-	-	-	-	1749	132328	1229	133882
Japan	-	-	-	-	32	128064	832	122288
USA	285	125810	-	-	1523	127896	1036	126859
Others	1164	134018	155	151796	17	150437	203	117028
Total	44899	104173	43352	123741	41738	132708	54680	120349

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption.

58. There has been a constant rise in demand of the product concerned throughout the injury period. Therefore, decline in demand is not as a possible reason of injury to the Domestic Industry.

(c) Developments in technology:

59. Technology for production of the product concerned has not undergone any significant change. Thus, development in technology is also not a factor causing injury to the domestic injury.

(d) Trade restrictive practices and competition between the foreign and domestic producers

60. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the Domestic Industry as the raw materials as well as the subject goods are freely importable in the country.

(e) Export performance of the domestic industry

61. The Domestic Industry has exported some quantity of the subject goods during the injury investigation period. However, only domestic performance has been considered for this injury analysis purpose. Therefore, performance in the export market has not affected the present injury analysis in any manner whatsoever.

(f) Productivity of the Domestic Industry

62. It is noted that the productivity of the domestic industry has been improving over the injury investigation period.

63. It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other factors. None of the interested parties has also led any evidence to suggest that the material injury caused to the Domestic Industry is attributable to other known factors. On the other hand, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- a. The imports of subject goods from Thailand were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. Resultantly, the domestic industry was not able to increase its prices. In fact, the Domestic

Industry had to reduce its prices in the POI more than the decline in cost. The price depression and price suppression suffered by the domestic industry is primarily on account of the dumped imports of the product from Thailand.

- b. The pressure on the domestic prices of the domestic industry led to significant loss of profitability during the POI. The reduction in the prices more than the cost has materially injured the financial performance of the Domestic Industry.
 - c. Performance of the Domestic Industry also was affected adversely in terms of rising inventories in the POI.
64. It is, therefore, concluded that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports from Thailand.

K. Magnitude of Injury Margin

Injury Margin

65. The non-injurious price of the subject goods produced by the Domestic Industry determined has been compared with the landed value of the exports from the Thailand for determination of injury margin during POI. The injury margin determined are as under:-

Thailand	Unit	IRPC/IRPC PCC Weighted Average	Others
CIF Value	USD/MT	***	***
Ass. Value	USD/MT	***	***
Landed Value	USD/MT	***	***
Landed Value	Rs. /MT	***	***
Non Injurious Price	Rs./MT	***	***
Injury Margin	Rs./MT	***	***
Injury Margin	%	***	***
Injury Margin	Range	(10) - 0	5 - 15
Exchange Rate: 1USD=Rs. 64.11			

L. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

66. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from Thailand in any manner and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain multiple sources of supply.

M. Post Disclosure Statement submissions by the Interested Parties

M1. Post Disclosure Statement submissions by the opposing Interested Parties

Post-disclosure submissions of IRPC and IRPC PCC

67. IRPC and IRPC PCC Company have requested the Authority to confirm that the subject goods exported by them are not causing injury to the Domestic Industry.

Post-disclosure submissions of DOW Chemicals Thailand

68. M/s Dow Chemicals in their comments on the disclosure statement, apart from reiterating their earlier submissions, have stated the following:

- a. That they have provided all the information in relation to their exports from Singapore and nothing is withheld from the Authority. Moreover, the Authority has never instructed them for submitting response of Dow Chemical Singapore.
- b. That they have voluntarily submitted all the invoices mentioning direct exports of Dow Thailand and exports of Dow Thailand through Singapore on December 28, 2016.

- c. The Authority has wrongly rejected the claim of individual dumping margin and injury margin for them. Moreover, their claim of normal value could not have been rejected. They also placed reliance of WTO findings and Indian stand in WTO.
- d. Authority has not correctly made injury analysis and same needs to be relooked at. Moreover, the Authority has failed to analyze the impact of exports made by the Domestic Industry to Sri Lanka below its NIP.

Post-disclosure submissions of M/s Sheela Foam

69. In the post disclosure statement M/s Sheela Foams have stated that:

- a. The disclosure provided hardly covers the material points brought out by them, during the course of the investigation. They further, objected to the imposition of anti-dumping duties on the subject goods from Thailand as Domestic Industry does not have the capacity to cater the complete demand in India.
- b. They further submitted that department should not impose anti-dumping duties as it will impact the foam manufacturers while the Domestic Industry will maximize its profits.
- c. Duties on Thailand should not be more than duties imposed on Singapore as the price from both the sources are same. They also requested the Authority not to levy anti-dumping duties on the subject goods imported from Thailand.

M2. Post Disclosure submissions by the Domestic Industry

70. Following are in brief the post Disclosure Statement submissions made by the domestic industry:

- a. That the Authority has provided M/s Dow Chemical several opportunities to prove their case which is unprecedented. Still, they have failed to provide the basic information and therefore, they should be treated as non-cooperative. The proposed approach of the Authority in this case is in line with the approach followed by the Authority in the recent investigations of FSP, Aluminum Road Wheels, Solar Panels, USB, etc., wherein the exporters' questionnaire responses have been rejected in the absence of full information of production and sale of the subject goods claimed to have been exported to India during the POI.
- b. Without prejudice to the aforesaid, the Domestic Industry submits that no new information/documents submitted by the parties outside the prescribed dates (particularly post-hearing submissions) can be considered as held by the Authority in the anti-dumping investigations concerning CR Coils and Saccharin.

M3. Examination by the Authority

71. The Authority has examined the above arguments of the exporters, importers and the domestic industry. It is noted that some of the submissions are repetitive in nature and have already been dealt with by the Authority in this findings. However the submissions which are being considered relevant are dealt as under:

- a. With regard to the submission of IRPC and IRPC PCC for confirming the provisional conclusions of the Authority in the Final Findings, the Authority notes that although the exports from IRPC and IRPC PCC are dumped but their landed value of the subject goods in India is above the non-injurious price and therefore, their imports are not causing any injury to the Domestic Industry during the period of investigation. It is further, noted that since India follows lesser duty rule, IRPC and IRPC PCC will not attract anti-dumping duties.
- b. With regard to the submission of DOW Chemical Thailand that they have reported the entire exports to India and, therefore, they should be granted individual dumping margin, the Authority notes that Dow Chemical has not provided any additional argument in respect of the proposed rejection of their responses. The issue has already been dealt with at appropriate places in these findings.
- c. With regard to the submission of the Dow Chemical that their normal value should be accepted as per the India's stand in WTO and practice followed by DGAD and other regimes in the world, it is noted that that since the Authority has rejected the response of Dow Chemicals and treated them as non-cooperative, their data relating to normal value, export price or landed value cannot be accepted.
- d. With regard to the submission of the Sheela Foam that recommendation of anti-dumping duties should not be more than that on Singapore, the Authority notes that the request of the importer is not based on any economic or legal premise. Anti-dumping duties on any country are based on the facts in respect of that source on application of the principle enshrined in the Rules. Further, with regard to the interests of the user industry, it is noted that the application of the lesser duty rule is applied precisely safeguard the interests of the user industry.
- e. With regard to the other issues re-iterated by Sheela Foam, the Authority notes that they have been addressed in relevant paragraphs of this finding and considered in accordance with the established practices and the provisions of law.

N. CONCLUSION

72. After examining the submissions made by the opposing interested parties and the domestic industry and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that the product under consideration has been exported to India from Thailand below its associated normal value, thus, resulting in

dumping of the product. The domestic industry has suffered material injury in respect of the subject goods. The material injury has been caused by the dumped imports from Thailand.

O. RECOMMENDATIONS

73. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury and the causal link. Having initiated and conducted investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is required to offset dumping and consequent injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of the subject goods from Thailand in the form and manner described hereunder.
74. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty as per amount specified in the table below is recommended to be imposed from the date of the Notification to be issued by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from Thailand.

Duty Table

S. No.	Heading /Sub Heading	Description of Goods	Country of origin	Country of exports	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
1	3907.20	Flexible Slabstock Polyol of Molecular weight 3000-4000	Thailand	Thailand	M/s IRPC Polyol Company Ltd.	M/s IRPC Polyol Company Ltd.	Nil	MT	USD
2	-do-	-do-	-do-	-do-	M/s IRPC Polyol Company Ltd.	M/s IRPC PCC Company Ltd.	Nil	MT	USD
3	-do-	-do-	-do-	-do-	Any combination other than S. No. 1 and 2	Any combination other than S. No. 1 and 2	135.40	MT	USD
4.	-do-	-do-	-do-	Any other country not attracting anti-dumping duty	Any	Any	135.40	MT	USD
5.	-do-	-do-	Any other country not attracting anti-dumping duty	Thailand	Any	Any	135.40	MT	USD

75. Landed value of imports for the purpose of this Notification shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act.
76. An appeal against the order of the Central Government arising out of this finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority